तापमान
अधिकतम 27 .0 डिग्री
न्यूनतम 14 .0 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 16 मार्च 2025

12 आपदा प्रबंधन की योजनाओं को समय पर पूरा करें अधिकारी

12 बसपा कार्यकर्ताओं ने कांशीराम को दी श्रद्धांजलि

फर्स्ट ईयर की छात्रा समेत चार लोगों ने की आत्महत्या

होली पर्व पर यमुनानगर जिले के चार परिवारों में छाया मातम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

होली पर्व के मौके पर जिले में अलग-अलग चार स्थानों पर फर्स्ट ईयर की छात्रा समेत चार लोगों ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया।

■ पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपा

जानकारी के अनुसार आजाद नगर कॉलोनी की गली नंबर तीन का रहने वाला राजेश कुमार (42) जो कि पिछले कुछ दिनों से परेशान चल रहा था। इसी वजह से परिवार में भी किसी के साथ ज्यादा बातचीत नहीं कर रहा था। होली के दिन होली खेलने के बाद घर से निकल गया। काफी देर तक जब वह लौट कर नहीं आया तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। इसी बीच पता चला कि राजेश ने शांति कॉलोनी के पास नहर में छलांग लगा दी है। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी तो पुलिस चौकी रामपुरा मौके पर पहुंच गई। गोताखोर की मदद से शव को नहर से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

गांव इस्माइलपुर निवासी अमन कुमार (20) ने एक साल पहले दूसरी जाति की युवती के साथ लव मैरिज कर ली थी। जिससे परिवार के लोग खुश नहीं थे। इसलिए अमन गांव में किराये पर मकान लेकर रहने लगा था और फैक्ट्री में काम किया करता था। लेकिन पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। होलिका दहन वाली रात जब सभी लोग होलिका दहन में व्यस्त थे, तभी अमन ने घर में ही फांसी के फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। फंदे से अमन का शव लटका देख पत्नी की चीख निकल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और फिर परिजनों को सौप दिया है।

यमुना में डूबने से मौत

कालिंदी कॉलोनी निवासी 74 वर्षीय अमरजीत सिंह किसी बीमारी के चलते मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। सुबह नाश्ता करने के बाद वह शनि मंदिर घाट पर पश्चिम में नहर में नहाने के लिए चला गया। कपड़े किनारे पर रख दिए और जैसी वह नहाने लगा तो पैर फिसलने से वह गहरे पानी में डूब गया। आसपास के लोगों ने देखा और गोताखोरों को बुलाया। गोताखोर की मदद से जब तक उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस चौकी रामपुर इंचार्ज ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। बुजुर्ग मानसिक रूप से परेशान चल रहा था।

छात्रा ने खाया जहर

गांव पीरूवाला निवासी 19 वर्षीय ललिता बीए फस्ट ईयर की छात्रा थी। करीब आठ महीने पहले पैर फिसलने पर वह छत से गिर गई थी। जिससे उसके सिर में चोट लगी थी। तभी से उसका उपचार चल भी रहा था। लेकिन ललिता तभी से मानसिक रूप से परेशान थी। एसएचओ बिलासपुर ने बताया कि होली के दिन भी परिवार के सभी लोगों ने होली खेली लेकिन वह खामोश ही थी। शाम को उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जब तक परिजनों को पता चला देर हो चुकी थी। परिजन ललिता को लेकर अस्पताल पहुंचे लेकिन तब तक उसने दम तोड़ दिया था। ललिता का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

महिला का शव नहर में फेंका

पानीपत। पानीपत में नहर में एक महिला का शव मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जहां लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाया गया। मौके पर शव की पहचान करने की कोशिश की गई। लेकिन पहचान नहीं हो सकी। शव को सिविल अस्पताल भिजवाया गया। जहां उसका पंचनामा भरवा कर शवगृह में रखवा दिया गया है। इधर, जांच में पता चला कि गांव सिवाह के पास नहर से शव को जब बाहर निकाला गया, तो देखा कि उसके गले पर दुपट्टा बांधा हुआ था। उसके हाथ-पैर, समेत शरीर के कई हिस्सों पर धारदार हथियार से काटा हुआ था। महिला की उम्र करीब 50 से 55 साल के बीच की थी। पहचान के लिए पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फोटो शेयर की है।

खबर संक्षेप

कमरे का ताला तोड़कर आईफोन व नकदी चोरी

यमुनानगर। शहर की शादीपुर कॉलोनी में चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर अंदर से आईफोन व बैक में रखे एक लाख 40 हजार रुपये कैश चोरी कर लिया। पुलिस के अनुसार जिला पलवल के गांव कोट निवासी शकील ने बताया कि वह शादीपुर में किराए के मकान में रहता है। 13 मार्च को वह कमरे का ताला लगाकर काम पर गया था। दोपहर तीन बजे जब वह वापस लौटा तो कमरे का लगा ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर कमरे से आईफोन 13 तथा बैग में रखे एक लाख 40 हजार रुपये गायब मिले।

कट्टा तानकर व्यक्ति से लूटे 1.70 लाख रुपये

यमुनानगर। रादौर की डेहा बस्ती में कुछ लोगों ने मिलकर एक व्यक्ति पर देसी कट्टा तानकर उसकी कार के डैशबोर्ड में रखे एक लाख 70 हजार रुपये लूट लिए। इस दौरान आरोपियों ने उसकी गाड़ी भी तोड़ दी। गांव खरकाली निवासी हरदीप ने बताया कि वह 14 मार्च को दोपहर रादौर की डेहा बस्ती के नजदीक से जा रहा था। इस दौरान सुखबीर ने अपने पिता व आधा दर्जन अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर उस पर देसी कट्टा तान दिया और उसकी कार की डैशबोर्ड में रखे एक लाख 70 हजार रुपये लूट लिए। इस दौरान आरोपियों ने उसकी गाड़ी को भी तोड़ दिया।

सरकारी आवास से नगदी व गहने चोरी

पानीपत। थर्मल कॉलोनी स्थित सरकारी पीए संदीप मूल निवासी गांव किलोई जिला रोहतक के मकान से चोरी हो गई। संदीप ने बताया कि वे 13 मार्च को परिवार सहित घर का ताला लगाकर गांव गए थे। 15 मार्च की सुबह लौटे तो चोरी होने का पता चला। चोरों ने दो सोने की चेन, दो मंगलसूत्र, पांच अंगूठियां, तीन सोने की बालिया, दो सोने के कड़े व चांदी के पाजेब, चुटकी आदि और 56 हजार कैश भी चोरी हुआ है।

पिता व पुत्री की करंट लगने से हुई मौत

पानीपत। दीनानाथ कालोनी में बिजली का करंट लगने से पिता 47 वर्षीय वसीउद्दीन और इनकी पुत्री 13 नेहा की दर्दनाक मौत हो गई। जांच में पता चला कि वसीउद्दीन अपने निर्माणाधीन मकान में दूसरी मंजिल पर लोहे का गार्डर लेकर चढ़ रहा था। जबकि पुत्री नेता अपने पिता की मदद कर रही थी। इस दौरान गार्डर घर के बाहर से गुजर रही बिजली की लाइन को छू गया और दोनों को बिजली का तेज करंट लगा। परिजन दोनों को अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

सड़क दुर्घटना में दो मौसेरे भाइयों की मौत

पानीपत। गांव आदियाना के मोड़ पर जगदीप सिंह निवासी गांव महराणा जिला पानीपत अपने मौसेरे भाई अनूप सड़क पर अचेत पडे मिले। पास ही इनकी बाइक पड़ी मिली। दोनों को सिविल अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सोमनाथ ने बताया कि उसका भाई जगदीप सिंह व मौसेरे भाई अनूप, अपने रिश्तेदार से मिलने के लिए बाइक परगांव आदियाना के लिए निकले थे।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

यमुनानगर। थाना छप्पर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। शहर की रामेश्वर नगर बैंक कॉलोनी निवासी मनोज कुमार बख्शी ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका लड़का 33 वर्षीय कुलदीप बक्शी अपनी बाइक से किसी काम से छप्पर आया था। रात को जब वह काम खत्म कर घर लौट रहा था तो थाना छप्पर के नजदीक अज्ञात वाहन ने उसके बेटे की बाइक को टक्कर मार दी। जिससे उसके बेटे की मौत हो गई।

करनाल में इंद्री के गांव धनोरा जागीर के पास हुआ हादसा

पश्चिमी यमुना नहर में गिरी कार, दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंद्री

इंद्री के गांव धनोरा जागीर के पास पश्चिमी यमुना नहर के पुल के नजदीक एक अनियंत्रित इनोवा कार नहर में गिर गई ।

घटना के वक्त कार में दो युवक सवार थे । युवकों की पहचान गांव सढ़ूरा निवासी संदीप व गांव सढ़ूरा निवासी दलबीर के रूप मे हुई है। शनिवार को एसडीआरएफ व गोताखोरों के दल ने नहर से संदीप व दलबीर के शव को बरामद कर लिया है। इनोवा कार को हाइड्रा की सहायता से नहर से बाहर निकाला गया।

■ गांव सढ़ूरा निवासी संदीप व दलबीर के रूप में हुई मृतकों की पहचान

मिली जानकारी के अनुसार होली के दिन शुक्रवार देर रात एक इनोवा कार अनियंत्रित होकर धनोरा जागीर के पास पश्चिमी यमुना नहर में गिर गई। ग्रामीणों को जैसे ही घटना पता लगा तो उन्होने तुरंत घटना की सूचना पुलिस दी। जिसके बाद पुलिस व गोताखोर प्रगट सिंह ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर तुरंत युवकों की तलाश के लिए नहर मे सर्च अभियान शुरू कर दिया लेकिन रात को दोनों युवकों का कोई भी पता नहीं चल सका । शनिवार को एसडीआरएफ व गोताखोरों के दल ने संदीप व दलबीर का शव नहर से बरामद कर लिए गए। पुलिस ने शवो को करनाल पोस्टमार्टम के लिए भेज कर घटना की जांच शुरू कर दी है इस मामले में इंद्री थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और गोताखोरों की सहायता से नहर में सर्च अभियान चलवाया।

शनिवार को दोनों युवकों संदीप और दलबीर के शव नहर से मिल गए। दोनों के शवों को करनाल पोस्टमार्टम के लिए भेज कर घटना की जांच शुरू कर दी है ।

इंद्री। गांव धनोरा जागीर के पास पश्चिमी यमुना नहर में गिरे युवकों को ढूंढते गोताखोर तथा पास खड़े ग्रामीण ।

करीब 15 घंटे तक चलाया सर्च अभियान

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने रात करीब 11 बजे सर्च अभियान शुरू कर दिया। लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लगी। शनिवार सुबह करीब 10 बजे पुलिस को संदीप का शव बरामद हुआ। लेकिन दलबीर और गाड़ी का पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस ने एसडीआरएफ के जवानों की सहायता से गाड़ी की तलाश शुरू की। करीब 2 बजे पुलिस ने हाइड्रा की सहायता से गाड़ी को निकाला तो उससे दलबीर का शव बरामद हुआ।

छात्रा से दुष्कर्म करने के आरोपी को उम्रकैद

■ युवक पर किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने का लगाया गया था आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र की अतिरिक्त जिला एवं सैशन न्यायाधीश की अदालत ने दुष्कर्म करने के आरोपी जोनी वासी थाना सदर पेहवा एरिया को उम्र कैद व जुर्माने की सजा सुनाई है।

जिला न्यायवादी ने बताया कि 3 सितम्बर 2021 को थाना सदर पेहवा एरिया वासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि 3 सितम्बर को उसकी 17 वर्षीय बेटी स्कूल में दाखिला करवाने के लिए गई थी। वह शाम तक घर नहीं पहुंची। उसे शक है कि जोनी नाम का लड़का उसे बहला फुसलाकर भगा ले गया है। जिसकी शिकायत पर थाना सदर पेहवा में मामला दर्ज करके आरोपी व नाबालिग की तलाश की गई।

किशोरी की बरामदगी पर आरोपी किया गिरफ्तार

18 अक्टूबर 2021 को नाबालिग लड़की को बरामद किया गया तथा नाबालिग लङकी के ब्यान न्यायालय में कलमबद करवाए गए। मामले में पोक्सो एक्ट की धारा 6 तथा आईपीसी की धारा 343,376 व 376 (ई) ईजाद की गई तथा मामले की जाँच महिला उप निरीक्षक पवनदीप को सौंपी गई। मामले की तफ्तीश के दौरान आरोपी जोनी को गिरफ्तार कर अदालत के आदेश से कारागार भेज दिया था। अतिरिक्त जिला एवं सैशन न्यायाधीश की अदालत ने गवाहों व सबूतों के आधार पर आरोपी जोनी को दोषी करार देते हुए आईपीसी की धारा 376-ई के तहत कठोर उम्र कैद व 30 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है।

जुर्माना न भरने की सूरत में 12 माह के अतिरिक्त कठोर कारावास की सजा सुनाई। आईपीसी की धारा 450 के तहत 10 साल कठोर कारावास व 20 हजार रुपये जुर्माना तथा जुर्माना न भरने की सूरत में 6 माह के अतिरिक्त कठोर कारावास की सजा भुगतनी होगी।

कुरुक्षेत्र के युवक की अमेरिका में सड़क हादसे में मौत

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र के शांति नगर निवासी युवक की अमेरिका में रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई। हादसा शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े 3 बजे हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने दूसरे ट्रक में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों ट्रकों में आग लग गई। इसके बाद 1 कार ट्रकों के साथ भिड़ गई। इस हादसे में 1 महिला भी जख्मी हो गई।

भाजपा नेता एडवोकेट गुरनाम मलिक ने बताया कि उनका 46 वर्षीय भाई बिक्रम सिंह उर्फ बिक्कू साल 2017 में अमेरिका गया था। बिक्के अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहता था और वहां ट्रक चलाता था। होली के दिन शाम करीब 6 उनको बिक्कू की मौत की खबर मिली थी। सूचना उसके पैतृक गांव सारसा पहुंची तो पूरे गांव में मातम छा गया। परिवार सरकार से मदद की उम्मीद कर रहा है, ताकि बिक्कू का शव जल्द भारत लाया जा सके।

लिव इन में रहकर व्यक्ति का बनाया अश्लील वीडियो

■ महिला पर ब्लैकमेल कर दो लाख रुपये ऐंठ लेने का आरोप

■ आरोपी महिला और उसके तलाकशुदा पति पर केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जगाधरी में एक महिला ने लिव इन रिलेशनशिप में रहकर व्यक्ति का अश्लील वीडियो बना लिया। बाद में महिला ने व्यक्ति को ब्लैकमेल कर उससे दो लाख रुपये ऐंठ लिए। बाद में आरोपी महिला ने अपने तलाकशुदा पति के साथ मिलकर व्यक्ति को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।

पुलिस ने आरोपी महिला व उसके तलाकशुदा पति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। महावीर कॉलोनी जगाधरी निवासी राजेश कुमार ने बताया कि उसकी पत्नी की मृत्यु 2022 में हो गई थी, जिसके बाद वहीं पड़ोस में रहने वाली महिला शालू ने उसके साथ नजदीकियां बढ़ा ली और उसे बहका कर शारीरिक संबंध स्थापित कर लिए थे। कुछ वक्त उसके साथ लिव इन में भी रही, लेकिन अचानक से इसके बाद उसे उसके अश्लील वीडियो व फोटो दिखा कर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

अन्य लोगों को भी ठगा

आरोपी ने उससे दो लाख ले लिए। ब्लैकमेलिंग के इस खेल में उसका तलाकशुदा पति कुलबीर उर्फ काला भी साथ था। जब दोनों ने उसे ब्लैकमेल किया तो उन्होंने अपने स्तर से पता किया तो पता चला कि इन दोनों का यह धंधा है। दोनों आरोपियों ने अलग-अलग करके करीब आधा दर्जन लोगों को अपने जाल में फंसा कर उनको ब्लैकमेल कर लाखों रुपये हड़प लिए हैं।

बरसात से गेहूं की फसल को नुकसान

कुरुक्षेत्र। शुक्रवार रात मौसम में बदलाव हुआ। रात में तेज बारिश हुई। बारिश के साथ चली हवा ने खेतों खड़ी गेहूं की फसल को गिरा दिया। जमीन पर बिछी फसल का सीधा प्रभाव पैदावार पर पड़ेगा।

शुक्रवार रात्रि हुई बारिश से जिला के कई क्षेत्रों में गेहूं की फसल गिर गई है। गिरी हुई गेहूं की फसल की उत्पादकता के साथ ही गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। वहीं नीचे के खेतों में खड़ी सब्जियों में भी पानी भरने से नुकसान होगा। किसानों का कहना है कि गेहूं की फसल लगभग तैयार हो चुकी है। ऐसे में हवा के साथ तेज बारिश होने से अधिकतर गेहूं धरती पर गिर गई है। इससे गेहूं की पैदावार में कमी आने की संभावना है। गेहूं की फसल धरती पर बिछ जाने के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है। उधर हवा के साथ आई तेज बारिश के कारण कई इलाकों में घंटों तक बिजली सप्लाई बाधित रही।

भ्रष्टाचार की पोल खुलने पर ठेकेदार ने सफाई कर्मचारियों का काटा वेतन

■ कर्मचारियों ने शहीद की प्रतिमा के पास किया रोष प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारायणगढ़

भ्रष्टाचार की पोल खुलने से बोखलाए ठेकेदार ने सफाई कर्मियों के वेतन पर कैंची चला दी। इसके विरोध में शनिवार को शहरी ठेका सफाई कर्मचारियों ने ड्यूटी के बाद शहीद हुए कृष्ण चंद वालिया की प्रतिमा के पास अपनों मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

कर्मचारी नेता शशांक हंस, सतीश रसौर व धर्मवीर ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि ठेकेदार व प्रशासन कर्मचारियों के हक देने की बजाय उनकी आवाज को दबाने के लिए तानाशाही पर उतर आया है। ठेकेदार ने फरवरी महीने के 15 मार्च को दिए वेतन में से हर कर्मचारी की हजारों रुपए की जबरी कटौती कर ली है। इस बारे सुपरवाइजर ने भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। सीटू नेता सतीश सेठी व सतपाल राणा ने कहा कि कर्मचारियों की जब ठेकेदार समेत नगरपालिका शासन व प्रशासन किसी ने कोई सुनवाई नहीं की तो कर्मचारियों को जनता के बीच जाकर आपबीती सुनाने का पूरा हक है। आखिर कर्मचारी भी तो जनता का एक हिस्सा हैं जो शहरवासियो को बेहतर साफ सफाई की सुविधा देने में लगे हुए हैं। इसलिए सीटू ठेकेदार की इस मनमानी को किसी भी सुरत में बर्दाश्त नहीं करेगा और भ्रष्टाचार की पोल जनता के बीच खोलता रहेगा।

नारायणगढ़। प्रदर्शन करते हुए सफाई कर्मचारी।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने रादौर के कार्यक्रम में की शिरकत

किसानों के हित की योजनाएं चला रही सरकार

■ सबसे अधिक फसलें एमएसपी पर प्रदेश में खरीदी जा रही : राणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों के हितों को ध्यान में रखकर योजनाएं चलाई हैं। हरियाणा देश का प्रथम राज्य है जहां पर किसानों की सबसे अधिक फसले एमएसपी पर खरीद की जा रही हैं। उन्होंने उक्त शब्द रादौर में आयोजित कार्यक्रम में कहे।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि बीज खाद कृषि यंत्रों पर सरकार द्वारा किसानों को अनुदान राशि भी प्रदान की जाती है। ताकि किसान को कुछ राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर उनकी सोच हमेशा किसान हित की रही है। क्योंकि वह स्वयं भी किसान परिवार से जुड़े हुए हैं और किसानों की समस्याओं से भली भांति परिचित हैं। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि रादौर अनाज मंडी के आढ़तियों ने सरसों की फसल की खरीद जल्द से जल्द करवाने की मांग उनके समक्ष रखी। उन्होंने आढ़तियों की इस मांग को प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष रखा और मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि किसान बहुत ही मेहनत के साथ सरसों की फसल को तैयार करता है। सरसों की फसल को यदि समय पर खरीद नहीं किया गया तो किसानों को काफी समस्या का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि हर वर्ग के हित को ध्यान में रखकर विकासात्मक योजनाएं बनाई गई।

यमुनानगर। रादौर में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को प्रदेश सरकार की योजनाओं से अवगत करवाते कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

हर क्षेत्र में प्रदेश में आगे

उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश विकास के साथ-साथ हर क्षेत्र में देश के अन्य राज्यों से सबसे आगे है और मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के चहुंमुखी विकास करवाया जा रहा है। हरियाणा सरकार हर वर्ग को साथ लेकर सबका साथ ,सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर काम कर रही है। किसान और आढ़ती का गहरा संबंध है। किसानों के उत्थान के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मेरी फसल मेरा ब्यौरा के माध्यम से किसानों के खातों में पैसे भेजे जाते हैं।

सरसों खरीद के आदेश

कृषि मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ने आढ़तियों की इस मांग को जायज समझते हुए तुरंत सरसों की फसल को 15 मार्च से अनाज मंडी में खरीद करने के आदेश जारी कर दिए। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की समस्याओं के प्रति गंभीर हैं। सरकार का प्रयास है कि जनहित की योजनाओं का लाभ किसान के साथ साथ हर वर्ग को मिले।

कुरुक्षेत्र की बेटी हिमांशी सिंह ने जीते तीन मेडल

■ ट्रैक साइकिलिंग इंवेंट में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी में किया प्रदेश का नाम रोशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र सेक्टर 4 की बेटी हिमांशी सिंह ने ट्रैक साइकिलिंग इंवेंट में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी में 3 मेडल जीते है। इस बेटी ने कुरुक्षेत्र के साथ-साथ हरियाणा प्रदेश का नाम रोशन किया है।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी हिमांशी सिंह पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं जीत चुकी है। डीएसओ मनोज कुमार,साइकिलिंग कोच कुलदीप वडैच, व साइकिलिंग कोच पंजाब सिंह व साइकिलिंग एसोसिएशन से नीरज तंवर ने खिलाड़ी हिमांशी सिंह को बधाई और शुभकामनाएं दी है। हिमांशी के पिता एडवोकेट सुनील कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिमांशी सिंह ने 9 से 13 मार्च तक भुवनेशवर में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी के ट्रैक साइकिलिंग इवेंट में 3 मेडल हासिल किए है। इस खिलाड़ी ने टीम स्प्रिंट में सिल्वर, प्वाइंट रेस में सिल्वर पदक और स्क्रैच रेस में कांस्य पदक हासिल किया है।

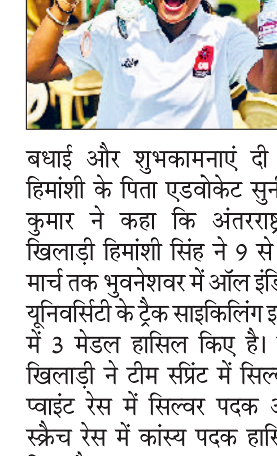

फाग के त्योहार पर जिलेभर में जमकर उड़ाया गुलाल

होली पर धमाल, लोगों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर दी होली की शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

रंगों का त्यौहार होली (फाग) पर्व शुक्रवार को जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। होली पर्व पर जहां लोगों ने एक दूसरे पर जमकर रंग डाला और शुभकामनाएं दी। वहीं, हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुज्जर, सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, नवनिर्वाचित मेयर सुमन बहमनी ने सभी को होली की शुभकॉमनाएं दी। खास बात यह रही कि कई स्थानों पर युवाओं ने डीजे की धुन पर नाचकर होली का पर्व मनाया। वहीं, शराब पीने के शौकीन लोग दिन भर शराब के नशे में कहीं ढ़ोल की थाप पर तो कहीं डीजे की धूनों पर ठूमके लगाते व रंग गुलाल उड़ाते नजर आए।

शुक्रवार सुबह होते ही जिले भर में रंगों का खुमार छा गया। ग्रामीण व शहरी इलाकों में लाल-पीले रंग से रंगे युवकों की टोलियां गलियों में निकल पड़ी। जैसे-जैसे दिन बढ़ता गया फाग खेलने वालों की तादाद बढ़ती गई। देवरों ने भाभियों पर जमकर रंगों की बौछार की। इस दौरान कई स्थानों पर युवाओं ने डीजे की धुन पर थिरक कर एक दूसरे को रंग लगाया। खास बात यह रही कि फाग के पर्व पर नव-नवेली दुल्हनों ने भी अपने देवर और ननंदो पर गुलाल लगाकर यह पर्व धूमधाम से मनाया और अपने सास ससुर समेत जेठानियों समेत बुजुर्गों का आर्शीवाद लिया।

यमुनानगर। कार्यकर्ताओं संघ होली मनाते हुए व कार्यकर्ता होली पर्व सिटी विधायक को शुभकॉमनाएं देते हुए। फोटो : हरिभूमि।

भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं में छाया रहा होली का खुमार

शुक्रवार सुबह हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा पर कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर होली की शुभकॉमनाएं दी। वहीं, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने भी कार्यकर्ताओं के संग अपनी जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में होली पर्व मनाया। पर्व के मौके पर उनके समर्थक और भाजपा कार्यकर्ताओं का एक दूसरे पर रंग डालने का जोश उमंग पर था। कई कार्यकर्ता सुबह के वक्त ही कृषि मंत्री कंवरपाल के जगाधरी स्थित निवास पर पहुंच गए और उन्हें रंग लगाया। वहीं, भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने भी कार्यकर्ताओं के संग होली पर्व मनाया।

भीड़भाड़ वाले स्थानों पर रखी कड़ी नजर, गश्त करती रही पुलिस

होली पर्व पर पुलिस की रही कड़ी सुरक्षा होली पर्व पर जहां दिन भर जिले में लोग रंग उड़ाते रहे, वहीं, पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रखी गई। पुलिस द्वारा गश्त की जाती रही और भीड़ भरे स्थानों पर कड़ी नजर रखी गई। राहत की बात यह रही कि होली पर्व के उड़ते रंग में जिले भर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम होने की वजह से कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। जिले भर में शांति से पर्व निपट जाने की वजह से प्रशासन ने भी राहत की सांस ली।

होली पर्व की दी बधाई

उपायुक्त पार्थ गुप्ता व पुलिस अधीक्षक राजीव देसवाल ने जिले में होली पर्व शांतिपूर्वक संपन्न होने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे पर्व आत्मीयता का बोध कराते हैं और सभी को मिलजुल कर रहने का संदेश देते हैं।

■ लाइक सी. से. स्कूल में मनाई होली।

यमुनानगर। एमडीवीएम पब्लिक स्कूल में होली का पर्व मनाते बच्चे।

स्कूल के बच्चों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर मनाई होली

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रादौर

लाइक पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल में रंगों का पर्व होली धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर विद्यार्थियों ने परस्पर मिलकर एक दूसरे को रंग लगाया। स्कूल प्रधानाचार्य ने कहा कि यह पावन पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत के तौर पर मनाया जाता है। इसलिए हमें सभी प्रकार की बुराइयों का त्याग करके सन्मार्ग पर चलना चाहिए। यह पर्व परस्पर स्नेह एवं सद्भावना से जुड़ा पर्व है। इस पर्व को रंग एवं गुलाल के साथ मनाने की परंपरा है। अतरू ध्यान रखें कि इसे केवल रंगों के साथ ही मनाएं। इसमें जल को व्यर्थ न बहाएँ। परस्पर स्नेहपूर्वक इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाएँ। किसी को अनावश्यक तंग न करें। हमें ध्यान रखना चाहिए कि यह पावन पर्व खुशियों का पर्व हैए जो हमारे देश की एकता एवं अखंडता को दर्शाता है। उन्होंने सभी को होली पर्व की शुभकामनाएं दी।

एमडीवीएम पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया होली पर्व

एमडीवीएम पब्लिक स्कूल हाफिजपुर में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। जिसमें विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कक्षा नर्सरी से 5वीं तक के बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस गतिविधि का आयोजन करवाया गया। जिसमें बच्चे राधा कृष्ण, यशोदा, नंद बाबा का रूप धारण करके आए। वहीं, बच्चों ने कविता, गीत व अन्य माध्यमों से हिंदू धर्म के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन अनिल कांबोज ने बताया कि होली रंगों का त्योहार होता है। इसलिए सभी को होली का त्योहार मिलजुल कर मनाना चाहिए। समाज को एकता के सूत्र में बांधने के लिए होली का पर्व मनाया जाता रहा है। इस अवसर पर गीता कांबोज, सोनाली कांबोज व प्रिंसिपल अंजू गुलाटी इत्यादि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बाइक सवार स्नेचरों ने युवक से छीना मोबाइल

यमुनानगर। शहर की रायपुर कॉलोनी के नजदीक बाइक पर सवार होकर आए दो स्नेचरों ने एक युवक से मोबाइल छीन लिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात स्नेचरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार बिहार के जिला औरंगाबाद निवासी विजय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रायपुर कॉलोनी में फैक्ट्री में काम करता है। 14 मार्च को दोपहर तीन बजे वह किसी काम से जा रहा था। इस दौरान बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। जब तक वह कुछ समझ पाता आरोपी युवकों ने उसके हाथ से मोबाइल छीन लिया और मौके से भाग गए। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने उसका पीछा कर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया। मगर आरोपी भागने में कामयाब हो गए।

चोरों ने सूने घर का ताला तोड़ा नकदी व लाखों के गहने उड़ाए

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

- घटना के समय अपनी बहन के घर सोने के लिए गई हुई थी सत्या देवी
- जम्मू कॉलोनी की घटना, गांधीनगर थाना में अज्ञात के खिलाफ दर्ज किया केस

शहर की जम्मू कॉलोनी में चोरों ने रात के समय सूने घर का ताला तोड़कर नकदी तथा लाखों रुपये के सोने व चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। चोरी की घटना के समय महिला अपने घर का ताला लगाकर अपनी बहन के घर सोने के लिए गई थी। सुबह उठकर जब अपने घर लौटी तो ताले टूटे मिले। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार जम्मू कॉलोनी निवासी सत्या देवी ने गांधीनगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह रात को अपनी बहन के घर सोने के लिए जाती है। 11 मार्च को भी वह प्रतिदिन की तरह काम खत्म करके रात को अपने घर का ताला लगाकर अपनी बहन के पास सोने के लिए चली गई थी। सुबह जब वह अपने घर लौटी तो घर का लगा ताला टूटा मिला।

उसने इसकी सूचना अपने लड़के राजू व बिट्टू को दी। सूचना मिलते ही उसके दोनों लड़के घर पर आ गए। जब उन्होंने जांच की तो घर से पांच हजार रुपए, दो एलईडी, एक गैस सिलेंडर, सोने की झुमकी, सोने का हार, दो अंगूठियां, पाजेब, अल्युमिनियम पतीला तथा अन्य सामान गायब मिला। उसने बताया कि चोरी हुए सामान की कीमत करीब ढाई लाख रुपए है। उसने चोरी की सूचना डायल 112 पर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस चोरों का पता लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी खंगाल रही है। समाचार लिखे जाने तक चोरों का सुराग नहीं लग पाया था।

उघोग मंडल प्रदेश युवा शाखा के चुनाव संपन्न

मोहित बंसल बने युवा जिला अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

■ सिंचाई विभाग के विश्रामगृह में आयोजित हुई बैठक

यमुनानगर। बैठक में भाग लेते उद्योग व्यापार मंडल के सदस्य।

उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा के सदस्यों की शहर के सिंचाई विभाग के विश्रामगृह में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्यातिथि के रुप में मंडल के प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र मित्तल ने भाग लिया। इस दौरान सदस्यों ने गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की बधाई और शुभकॉमनाएं दी। मौके पर मोहित बंसल को उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा की युवा शाखा का जिला अध्यक्ष व विजय सेठी को जगाधरी नगर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

मंडल के जिला अध्यक्ष दीपक कपूर ने बताया कि बैठक में सबसे पहले सदस्यों ने होली के शुभ अवसर पर एक दूसरे को गुलाल लगाकर बधाई दी। इस दौरान सभी सदस्यों ने होली पर्व पर सभी के परिवारों में सुख शांति व मंगलकामना के साथ प्रभु से प्रार्थना की गई। इसके बाद बैठक में मोहित बंसल को उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा की युवा शाखा का जिला अध्यक्ष व विजय सेठी को जगाधरी नगर का अध्यक्ष और हार्दिक गर्ग को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। इस दौरान बैठक में व्यापारिक व सामाजिक विषयों पर गंभीरता से विचार.विमर्श हुआ। जिसमें संगठन के 31 सदस्यों की नई कार्यकारिणी का चुनाव कर गठन पर सहमति बनी। बैठक में निश्चित हुआ की आगामी दिनों में व्यापारिकहित संबंधित कार्यों के लिए सरकार से मिल कर प्रणाली को सरल करने व बजट में व्यापारियों को राहत देने की बात रखी। मंडल के प्रदेशाध्यक्ष महेन्द्र मित्तल ने सभी देशवासियों व प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि संगठन के माध्यम से सेवा कार्य करते रहेंगे। मित्तल ने कहा कि जल्द ही संगठन का विस्तार किया जाएगा। वहीं, नुक्कड़ बैठकों के माध्यम से प्रत्येक व्यापारी व आम नागरिक को संगठन से जोड़ा जाएगा। प्रदेशाध्यक्ष महेन्द्र मित्तल ने कहा कि संगठन का प्रयास है कि सरकार से मिलकर समाज की समस्याओं का निदान करवाया जाए। इस अवसर पर मंडल के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष संजय मित्तल, प्रदेश महासचिव आशिष मित्तल, प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता, ट्रांसपोर्ट अध्यक्ष तारा चन्द सैनी, कार्यकारी जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता, प्रभारी संदीप गुप्ता, हर्षित कांबोज, विजय अग्रवाल, चेतन स्वरूप,करनैल सिंह नामधारी, संजय शर्मा, पवन, श्याम नारायण, बहन अरुणा कौशिक, विशाल गुप्ता, अभिराज राणा,जसविन्द्र सिंह व अश्वनी शर्मा आदि मौजूद रहे।

खुर्दबन गांव में बाबा धारीमल की समाधि पर लगेगा 30 को भंडारा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रादौर

- हिंदू सिक्ख एकता की प्रतीक बाबा धारीमल की समाधि पर हर वर्ष किया जाता है मेले व भंडारे का आयोजन

रादौर विधानसभा क्षेत्र के गांव खुर्दबन में बाबा धारीमल की समाधि पर हर वर्ष की तरह इस बार भी 30 मार्च को विशाल भंडारे व मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमें क्षेत्र के हजारों लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे। वहीं दूर दूर से हजारों की संख्या में श्रद्धालु मत्था टेकने और पूजा अर्चना करने पहुंचेंगे।

सतीश सैनी ने बताया कि बाबा धारीमल ने गांव खुर्दबन व धनौरा के जंगलो में वर्षों तपस्या की और इसी स्थान पर वह ब्रह्मलीन हो गए। इस जगह पर गांव खुर्दबन धनौरा के लोगों ने बाबा धारीमल की समाधि बनाई। समाधि पर जहां गुरूग्रंथ साहिब का पाठ होता है वहीं, रामचरित मानस का पाठ भी किया जाता है। बाबा धारीमल उन महान संतो में से एक थे।

जिन्होंने गुरूनानक देव के आदर्शों को अपनाकर अपना सारा जीवन मानव कल्याण व प्रभु भक्ति में व्यतीत किया। बाबा धारीमल की समाधि पर हर जाति व धर्म के लोग समाधि पर आकर पूजा अर्चना करते हैं और मन्नते मांगते हैं। उन्होने बताया कि मन्नतें पूरी होने पर हर साल मार्च मास में लगने वाले मेले में गुरू ग्रंथ साहिब का पाठ व रामायण का पाठ करवाते हैं। पिछले एक महीने से बाबा धारीमल की समाधि पर पाठ का आयोजन किया जा रहा है।

कैंप क्षेत्र में जयंती पर कार्यक्रम

सामाजिक परिवर्तन के महानायक रहे डॉ. आंबेडकर: डॉ. निर्मल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

- बाबा साहेब कांशी राम का कैंप में श्रद्धापूर्वक मनाया जन्मदिवस

बसपा के संस्थापक साहेब कांशी राम का जन्मदिवस शहर के कैंप में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को श्रद्धापूर्वक मनाया। मुख्यातिथि के रुप में बसपा के पूर्व प्रदेश महासचिव डॉ. निर्मल सिंह ने भाग लिया। उन्होंने साहेब कांशी राम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

बसपा के पूर्व प्रदेश महासचिव ने कहा कि साहेब कांशी राम बहुजन समाज के मसीहा बनकर उभरे। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन किया। वह सामाजिक पविर्तन के महानायक बने। उन्होंने कहा कि आज देश भर में साहेब कांशी राम के जन्मदिवस को बड़ी श्रद्धा व उत्साह से मनाया जा रहा है। डॉ. निर्मल सिंह ने कहा कि साहेब कांशी राम से अपना पूरा जीवन वंचित, शोषित और पिछड़े समाज को न्याय, सम्मान और राजनीतिक अधिकार दिलाने के लिए समर्पित कर किया। उन्होंने कहा कि साहेब कांशी राम बसपा रूपी मिशन को पार्टी सुप्रीमो बहन मायावती साकार करने में लगी हैं।

बसपा सुप्रीमो मायावती साहेब कांशी राम के सपनों को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रही हैं। उनके कुशल नेतृत्व में बहुजन समाज को एक मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया गया है। जिससे कांशी राम का मिशन आगे बढ़ रहा है। डॉ. निर्मल सिंह ने कार्यकर्ताओं को साहेब कांशी राम के मिशन को आगे बढ़ाने और उनके सपना को साकार करने के लिए आहवान किया।

रादौर में सैनी समाज ने बिजली मंत्री के जन्मदिन पर काटा केक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रादौर

- प्रदेश भाजपा के सबसे सीनियर नेताओं में से एक हैं बिजली मंत्री अनिल विज

सैनी समाज ने कार्यक्रम आयोजित कर प्रदेश के बिजली मंत्री अनिल विज का 72 वां जन्मदिन केक काटकर व पौधारोपण करके मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सैनी समाज के प्रधान संदीप सैनी ने की।

प्रधान संदीप सैनी ने कहा कि अनिल विज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छात्रसंघ के अध्यक्ष रहे। एसडी कॉलेज में पढ़ते हुए 1970 में एबीवीपी के महासचिव बने। 1974 में उन्हें एसबीआई में नौकरी मिली। 16 साल तक बैंक अधिकारी के रूप काम किया। 1990 में जब सुषमा स्वराज राज्यसभा जाने से अंबाला कैंट विधानसभा सीट खाली हो गई। इस सीट पर उपचुनाव होना था। अनिल विज ने चुनाव लड़ने की पेशकश की। जिसके लिए एसबीआई की नौकरी भी छोड़ दी। किस्मत ने साथ दिया और पहली बार में विधायक विधानसभा पहुंचे। 1991 में अनिल विज को भाजपा युवा मोर्चा का प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया। दो बार हरियाणा विधानसभा निर्दलीय के तौर पर भी जा चुके हैं। 1996 व 2000 में अनिल विज ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा और दोनों बार जीत दर्ज की। 2005 में विज फिर से चुनाव हार गए। अनिल विज अंबाला छावनी से 2014, 2019 व 2024 में फिर से भाजपा के विधायक चुने गए।

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना: 1731 प्लाटों पर बनेंगे पीएमएवाई से बनेंगे पक्के मकान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

लाभार्थियों को 3 किस्तों में मिलेंगे 2.50 लाख

निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि अब इन लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का भी लाभ दिया जाएगा। योजना के तहत इन लाभार्थियों को प्लॉट पर पक्का आवास बनाने के लिए तीन किस्तों में 2.50 लाख रुपये दिए जाएंगे। इसके लिए नगर निगम द्वारा लाभार्थियों का सर्वे किया जा रहा है। प्रत्येक लाभार्थी के आधार कार्ड की जांच कर उसे वेरीफाई किया जा रहा है। वेरीफाई होने के बाद योजना का लाभ देकर उनके पक्के आवास बनवाए जाएंगे। निगमायुक्त आयुष सिन्हा ने लाभार्थियों से अपील की है कि वह स्वयं भी अपना आधार कार्ड कन्हैया साहिब चौक स्थित नगर निगम कार्यालय में जाकर वेरीफाई करवाकर योजना का लाभ ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत नगर निगम एरिया के 1731 लाभार्थियों को सेक्टर 23 में प्लॉट दिए जाएंगे। इन लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी का भी लाभ दिया जाएगा। प्लॉट मिलने के बाद इन लाभार्थियों के प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत पक्के आवास बनाए जाएंगे। इसके लिए नगर निगम की टीमों ने सर्वे शुरू कर दिया है। उक्त जानकारी निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने दी।

नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि हर नागरिक का अपना पक्का आवास हो। यह केंद्र व राज्य सरकार का सपना है। इस सपने को साकार करने के लिए सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी व मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना शुरू की हुई है। योजना के तहत शहरी क्षेत्रों के जिन बीपीएल परिवारों के पास अपना आवास नहीं है। उन्हें पक्का मकान बनाने को प्लॉट व फ्लैट देने के लिए सरकार ऑनलाइन आवेदन मांगे थे। योजना के तहत प्लॉट लेने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा हाउसिंग फॉर ऑल विभाग पोर्टल पर 13 सितंबर 2023 को रजिस्ट्रेशन शुरू किए गए थे। अंतिम तिथि तक नगर निगम यमुनानगर जगाधरी एरिया के 10903 लोगों ने योजना के तहत प्लाट लेने के लिए रजिस्ट्रेशन किया था। इसके बाद सरकार ने इन लाभार्थियों को प्लाट देने के लिए बुकिंग शुरू की थी। हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के पोर्टल पर 15 फरवरी 2024 तक 3139 लाभार्थियों ने प्लाट के लिए बुकिंग कराई थी। गठित कमेटी द्वारा दिसंबर माह में ड्रॉ के माध्यम से इन लाभार्थियों को प्लॉट आवंटन किया गया। सभी लाभार्थियों को जगाधरी अनाज मंडी में कार्यक्रम आयोजित कर प्रोविजनल अलॉटमेंट लेटर अर्थात अनंतिम आवंटन पत्र दिए गए थे। सेक्टर 23 में 1731 लाभार्थियों को प्लॉट दिए जाने हैं।

पादप अनुवांशिक संसाधनों के प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम

प्राकृतिक खेती को अपनाएं किसान: कृषि मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

यमुनानगर। कृषि विज्ञान केंद्र दामला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा। फोटो : हरिभूमि।

कृषि विज्ञान केंद्र दामला(यमुनानगर) द्वारा केंद्र में भारतीय कृषि अनुसंधान व राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो के संयुक्त तत्वावधान में अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत शनिवार को पादप आनुवंशिक संसाधनों के प्रबंधन पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने भाग लिया। वहीं, विशिष्ठ अतिथि के रुप में सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा मौजूद रहे। कार्यक्रम में करीब 500 किसानों ने भाग लिया।

मुख्यातिथि एवं कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कार्यक्रम में किसानों को कृषि में नवीनतम तकनीकों को अपनानें पर बल दिया। उन्होंने मौके पर सरकार द्वारा चलाई जा रही राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन व प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होने किसानों को समझाया कि उत्तम खेती ही परंपरागत मुख्य व्यवसाय है। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि खेती करने वाले किसानों को हरियाणा सरकार द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है।

उन्होंने कहा कि आज के रसायन युग ने खेती के स्वरूप को बदल दिया है। इसलिए किसानों को परंपरागत खेती की तरफ लौटकर जैविक और प्राकृतिक खेती को अपनाना चाहिए। इससे न केवल रसायन मुक्त भोजन प्राप्त होगा। बल्कि वातावरण भी स्वच्छ रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भूमि की विविधता को बनाए रखने के लिए हमें भूमि में उपस्थित मित्र जीवों को संरक्षित करना होगा। जो खेती में अपना सहयोग करते हैं और भूमि की उर्वरता शक्ति को बनाए रखते हैं। उन्होंने किसानों से कम से कम स्वयं के लिए रसायन मुक्त खेती अपनाने का आहवाान किया। सिटी विधायक घनश्याम दास

नवाचार को अनपनाएं

अरोड़ा ने किसानों को सरकारी योजनाओं से जुड़ने और नवाचारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बीआर कांबोज ने किसानों को प्रगतिशील खेती के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इससे किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं और देश की खाद्य सुरक्षा में योगदान कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रधान वैज्ञानिक संदीप कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. अजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

अतिरिक्त लोक अभियोजक बने एडवोकेट शुभम मंगला

पिहोवा। जाने-माने कुशल व सफल अधिवक्ता शुभम मंगला को चंडीगढ़ यूटी का अतिरिक्त लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है। अपनी नई भूमिका में पिहोवा निवासी शुभम मंगला पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के समक्ष अपराधीकरण कानूनी कार्रवाई की देखरेख करेंगे और विभिन्न आपराधिक मामलों में यूटी चंडीगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी नियुक्ति क्षेत्र में कानूनी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि न्याय कुशलता पूर्वक और निष्पक्ष रूप से दिया जाए। आपराधिक मामलों में शुभम मंगला के अनुभव और विशेषज्ञता से कानूनी क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान मिलने की उम्मीद है।

आधुनिक जिम के उपकरणों का किया अवलोकन

कुरुक्षेत्र। सांसद नवीन जिन्दल ने कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में भेजे जाने वाले अत्याधुनिक जिम के सभी उपकरणों का अवलोकन करते हुए कहा कि वर्तमान समय में अनुचित खानपान, व्यस्त जीवनशैली, मोबाइल व इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता, तनाव व शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण युवा धीरे-धीरे शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर होते जा रहे हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती लत और अस्वस्थ आदतें भी समाज के लिए एक गंभीर समस्या बन चुकी हैं।

पश्चिमी यमुना नहर मे गिरी कार, 2 की मौत

इंद्री। इंद्री के गांव धनोरा जागीर के पास पश्चिमी यमुना नहर के पुल के नजदीक एक अनियंत्रित इनोवा कार नहर में गिर गई । घटना के वक्त कार में दो युवक सवार थे । युवको की पहचान गांव सढ़ूरा निवासी संदीप व गांव सढ़ूरा निवासी दलबीर के रूप मे हुई है । शनिवार को एसडीआरएफ व गोताखोरों के दल ने नहर से संदीप व दलबीर के शव को बरामद कर लिया है । इनोवा कार को हाइड्रा की सहायता से नहर से बाहर निकाला गया । मिली जानकारी के अनुसार होली के दिन शुक्रवार देर रात एक इनोवा कार अनियंत्रित होकर धनोरा जागीर के पास पश्चिमी यमुना नहर में गिर गई । ग्रामीणों को जैसे ही घटना पता लगा तो उन्होने तुरंत घटना की सूचना पुलिस दी ।

लोगों ने एक दूसरे के घर जाकर गुलाल लगाया और गले मिलकर पुराने गिले-शिकवे किए दूर

जिलेभर में मनाया रंगों का त्योहार, जमकर उड़ा गुलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

रंग,गुलाल और अबीर से एक- दूसरे को सराबोर करने की होड़ और होली के गीतों की मस्ती के साथ रंगों का त्योहार होली शुक्रवार को पूरे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने एक दूसरे के घर जाकर गुलाल लगाया और गले मिलकर पुराने गिले-शिकवे दूर किए। वहीं बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक पूरे दिन रंग-बिरंगे रंगों से सराबोर रहे और होली के गीतों पर जमकर नृत्य किया। हर तरफ होली की धूम थी। बच्चे, बूढ़े,जवान सभी होली की मस्ती में थे। शुक्रवार को पूरे जिले में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। छिटपुट घटनाओं को छोड़ पूरे जिले में होली शांतिपूर्ण रहीं। कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। जिले में होली की उमंग वीरवार से ही दिखने लगा था। वीरवार की शाम होलिका दहन के बाद से ही लोग होली के रंग में रंगने लगे थे। सुबह होते- होते लोग होली की मस्ती में डूब गए। बच्चों की मस्ती तो रविवार शाम से ही दिखने लगी थी। होली है होली है की गूंज हर गली, हर मुहल्ले में गूंजने लगी। बच्चे सुबह होने का इंतजार करने लगे। शुक्रवार की सुबह मौसम में ठंडापन था, लेकिन यह ठंडापन बच्चों के उत्साह को रोकने में विफल रहा। यहीं हाल आमजनों का भी रहा। होली आई रे कन्हाई, रंग बरसे की धून पर लोगों का जो थिरकना शुरू हुआ वह दोपहर तक जारी रहा। सड़क पर मतवालों की टोली चल रही थी जिनका काम हर आने जाने वालों को रंगों से सराबोर करना था। गांव हो या शहर हर जगह होली की उमंग और उत्साह एक समान था। बच्चे सुबह से ही रंग, पिचकारी लेकर घर से निकल गए और अपने हम उम्र साथियों के साथ होली के आनंद में मशगूल हो गए। युवाओं की भी अपनी अगल महफिल जमीं थी। यह नजारा मुहल्ले के हर कॉलोनी, गली और चौक चौराहे पर दिख रहा था। महिलाओं की टोली भी किसी से कम नहीं थी। घर की छत या अपार्टमेंट की छत पर महिलाओं की महफिल जमी थी। पुरूषों की तरह महिलाओं ने भी होली का आनंद उठाया। सभी एक- दूसरे को रंगने में जुटी हुई थी। होली में लजीज व्यंजनों के बिना त्योहार अधूरा माना जाता है। होली की बधाई देने वालों की भी कमी नहीं थी। समूह में बंट कर लोग एक- दूसरे के घर पहुंचने और गुलाल लगा कर एक- दूसरे को होली की बधाई दी। बधाई देने का क्रम देर शाम तक जारी रहा। होली को लेकर सुरक्षा का पुख्ता इंतजार किया गया था।

कुरुक्षेत्र। होली खेलते बच्चे। गीता ज्ञान संस्थानम में आयोजित होली उत्सव में श्रद्धालुओं के संग फूलों की होली खेलते हुए गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद।

स्वामी ज्ञानानंद ने भक्तों संग खेली फूलों की होली

कुरुक्षेत्र। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी के सानिध्य में गीता ज्ञान संस्थानम में होली उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। होली के रंग, गौमाता के संग यह उत्सव गाय माता को समर्पित रहा। नगर के प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों सहित इस उत्सव में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। फूलों की होली खेलने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। प्रसिद्ध भजन गायिका अर्चना बावरी ने जब आई फाल्गुन की बहार, होली खेले नंद कुमार.... भजन सुनाया तो श्रद्धालु ठाकुर जी की युगल जोड़ी के सामने जमकर नाचे। पवन गुब्बर ने मैं श्याम नाल होली खेला तथा सुनील वत्स ने भी राधा और कृष्ण भाव के होली से संबंधित भजन सुनाए। श्रद्धालुओं ने भजनों का खूब आनंद उठाया और जमकर थिरके। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने सबसे पहले ठाकुर जी की युगल जोड़ी को पुष्प अर्पित किए और उसके बाद श्रद्धालुओं के साथ फूलों की होली खेली। सारा वातावरण भक्तिमय हो गया और सभी पर होली का रंग जमकर चढ़ा तथा मस्ती में श्रद्धालु जमकर झूमे। रतन रसिक ने चढ़ा दो रंग भक्ति, नाम की मस्ती का....भजन गाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कुरुक्षेत्र। प्रेरणा वृद्धाश्रम में होली मनाते हुए।

प्रेरणा वृद्धाश्रम में कनाड़ा से आई लावण्या शर्मा ने वृद्धों संग खेली होली

- हर त्यौहार एवं उत्सव अपने आप में होता विशेष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

देशभर के विभिन्न राज्यों में घरों से निकाले गए एवं अपनों द्वारा ठुकराए गए बुजुर्गों को आश्रय देने वाले प्रेरणा वृद्धाश्रम में हर त्यौहार एवं उत्सव अपने आप में विशेष होता है। उल्लेखनीय है कि प्रेरणा वृद्धाश्रम की ख्याति विश्व के अन्य देशों तक भी पहुंच चुकी है। यहां मनाए जाने वाले पर्वों को देखने के लिए और उसमें सम्मिलित होने के लिए विदेशों से बहुत लोग पहुंचते हैं। इसी कड़ी में विशेष तौर पर प्रेरणा वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों के साथ होली खेलने के लिए लावण्या शर्मा कनाड़ा से सीधे कुरुक्षेत्र पहुंची। वृद्धाश्रम में पहुंचते ही लावण्या का भव्य स्वागत किया गया। सभी बुजुर्गों ने उसे गले लगाया और लावण्या ने अपने हाथों से सभी बुजुर्गों को होली का रंग लगाकर शुभकामनाएं दी। प्रेरणा के संस्थापक एवं संचालक डा. जय भगवान सिंगला ने कहा कि हम सभी प्रेरणा सदस्य बेटी समान लावण्या शर्मा का होली मनाने के लिए वृद्धाश्रम में पहुंचने पर हार्दिक अभिनंदन व स्वागत करते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों के साथ साथ प्रेरणा अध्यक्षा रेनू खुंगर, डा. हरबंस कौर, मीरा गौतम, पृथ्वी नाथ गौतम, रीना शर्मा, स्फूर्ति पाराशर, सुदेश कुमारी, अध्यापिका दया शर्मा, डा. ममता सूद, अनीता रामपाल, राधा अग्रवाल, किरण गर्ग, हरकेश पपोसा, तन्वी पपोसा, कमली पपोसा, ईश्वर चंद्र गर्ग, आशा सिंगला, बेबी आश्वी सिंगला इत्यादि भी मौजूद रहे।

गुलाल लगाकर आपसी सौहार्द का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

भारतीय संस्कृति का पावन पर्व होली इस बार भी लोगों ने एक दूसरे पर रंग व गुलाल लगाकर सौहार्द पूर्वक मनाया। पुरूषों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने गीले रंगों व गुलाल से खेलते हुए जहां गिले शिकवे दूर किए वहीं आपसी एकता व आनंद को बढ़ावा दिया। कई स्थानों पर लोगों ने सामूहिक रूप से होली का आनंद उठाया। नन्हे- मुन्ने बच्चों द्वारा एक दूसरे पर रंग डालना बड़ा ही मनमोहक दृश्य नजर आ रहा था। कई स्थानों पर होली के गीतों पर युवा झूमते दिखाई पड़े। बहुत से लोगों ने एक दूसरे को मिठाई आदि खिलाकर आपसी सौहार्द बनाए रखने का सबूत दिया। इस अवसर पर स्वामी खटवांग पुरी, महंत सर्वेश्वरी गिरी, स्वामी लक्ष्मीनारायण पुरी, संत साधनानंद, रोटरी कल्ब प्रधान दीपक बावेजा, विपिन काहड़ा, सरपंच विकल चौबे, नपा प्रधान आशीष चक्रपाणि, भाजपा मंडलाध्यक्ष प्रिंस मंगला व डा. राजेंद्र मंगला ने कहा कि होली के रंग जीवन में खुशियों का संदेश देते है।

पिहोवा। नगर में होली पर्व मनाते संत महात्मा व श्रद्धालु।

भजनों के साथ होली खेल श्रद्धालुओ का मोहा मन

- भगवानश्री चैतन्य महाप्रभु का प्राकट्य दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

इस्कॉन के गौर पूर्णिमा महोत्सव में भगवानश्री चैतन्य महाप्रभु का प्राकट्य दिवस मनाया। कथा और भगवान के अभिषेक के बाद, बड़ी विचित्र और रोचक, फूलों की होली खेली गई। कार्यक्रम में गोविंद कृष्ण प्रभु और अतुल कृष्ण प्रभु ने बहुत मधुर भजनों के साथ फूलों की होली में आए सभी श्रद्धालुओ का मन विभोर लिया। कार्यक्रम में पूर्वमंत्री सुभाष सुधा और मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी ी शामिल हुए, जिन्होंने भगवान गौर निताई का पुष्प अभिषेक किया और सभी एकत्रित भक्तो पर फूल बरसाए। कार्यक्रम आए सभी अतिथि ऐसी सुंदर और रोचक फूलों की होली खेलकर बेहद प्रसन्न हुए और इस्कॉन प्रबंधन को धन्यवाद दिया।

1500 भक्तों ने लिया भाग

इस्कॉन कुरुक्षेत्र अध्यक्ष साक्षी गोपाल प्रभुजी ने बताया कि होली उत्सव में करीब 1500 अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवानश्री चैतन्य महाप्रभु के पुष्प अभिषेक का दर्शन किया। पुष्प होली के लिए दिल्ली से करीब 8 क्विंटल फूल मंगाए गए। दर्शन करने आए सभी भक्तो के लिए भंडारे प्रसाद की व्यवस्था की गई। उपाध्यक्ष मोहन गौरचंद्र प्रभुजी ने सभी श्रद्धालुओं को बधाई देते हुए बताया कि आज होली के साथ साथ कुंतीपुत्र अर्जुन जयंती भी है।

होली आपसी भाईचारा और सद्भाव का त्योहार : सचिन

- अग्रवाल सभा ने होली मिलन समारोह में खेली फूलों की होली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

अग्रवाल सभा सेक्टर 5 कुरुक्षेत्र (रजि.) द्वारा पिपली रोड स्थित ग्रेन अरीना पैलेस में होली मिलन समारोह उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान गायन व नृत्य की प्रस्तुति ने सभी का मन मोहा। समाज के सदस्यों ने फूलों की होली खेलकर, एक-दूसरे को गुलाल का तिलक लगाकर राज्य की उन्नति की कामना की। प्रधान सचिन गुप्ता ने कहा कि होली का पर्व ईश्वर के प्रतीत अटूट आस्था व विश्वास तथा सामाजिक समरसता का पर्व है। इसे हम सब लोग बहुत ही उत्साहपूर्वक मिलजुल कर एक दूसरे को खूब अबीर गुलाल एवं गले मिलकर के होली का त्योहार हम सब लोग मनाते हैं। सचिन गुप्ता ने कहा कि होली आपसी भाईचारा और सद्भाव का त्योहार है। एक-दूसरे के साथ गले मिलते ही आपसी दूरियां समाप्त हो जाती हैं।

कुरुक्षेत्र। होली पर्व मनाते अग्रवाल समाज के लोग।

होली रंगों का ही नहीं, बल्कि अहंकार के विनाश का प्रतीकः स्वामी ज्ञानानंद

पिहोवा। महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के पावन आशीर्वाद से श्री कृष्ण कृपा मंदिर में पूर्णमासी व होली का त्यौहार नरोतम वासन परिवार के सहयोग से भजन संध्या के रूप में भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। जिसमें भजन गायक सुरेश वर्मा, नरेश शर्मा, जितेन्द्र वर्मा, तान्या सैनी, विकी वोहरा, राकेश शर्मा, सागर कश्यप और वृंदावन से आए प्रसिद्ध भजन गायक रतन रसिक और अर्चना बाबरी ने अपने मधुर भजनों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में स्वामी ज्ञानानंदजी महाराज ने अपने प्रेरणादायक प्रवचनों में कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह अहंकार के विनाश और विश्वास की विजय का प्रतीक भी है।

सीएम सैनी ने दिव्य गीता सत्संग का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दुनिया के मार्गदर्शक बनने के लिए प्रत्येक मनुष्य को पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों को अपने जीवन में धारण करना होगा। इन उपदेशों के माध्यम से ही विश्व को एक मंच पर लाया जा सकता है, क्योंकि इन उपदेशों में ही पूरे विश्व की चिंता, भय,आतंकवाद, तनाव सहित तमाम समस्याओं का समाधान निहित है। इतना ही नहीं विश्व की तमाम चुनौतियों का सामना करने के लिए इस दिव्य ग्रंथ से ज्ञान और कर्म करने का संदेश मिलता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को लाडवा हिन्दु हाई स्कूल के प्रांगण में श्री कृष्ण कृपा के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय दिव्य गीता सत्संग के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पवित्र ग्रंथ गीता का पूजन कर आरती की और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। यहां पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने दिव्य गीता सत्संग के लिए 21 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन काल से संतों और गुरुओं ने अध्यात्म की सच्ची राह दिखाने का काम किया है। इसी परंपरा को गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद आगे बढ़ाने के लिए एक संवाहक का काम कर रहे है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों को विश्व के हर कोने-कोने में प्रचार प्रसार कर रहे है। स्वामी ज्ञानानंद के प्रयासों से ही गीता जयंती के छोटे से समारोह को वर्ष 2016 से अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव के रूप में मनाया जाने लगा है।

नवयुग स्कूल में टीचर्स के लिए ट्रेनिंग सैशन आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहन नगर कुरुक्षेत्र में टीचर्स के लिए ट्रेनिंग सैशन का आयोजन किया गया जिसका विषय स्टोरी टेलिंग ऑन पड़ागोजी रहा। सैशन का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर बीडी गाबा एवं प्रधानाचार्य डॉ देवेन्द्र अरोड़ा तथा टीचर्स ट्रेनर अभिमन्यु द्वारा माता सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर टीचर्स ट्रेनर अभिमन्यु ने स्टोरी टेलिंग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि कहानी सुनाना एक शक्तिशाली शैक्षणिक उपकरण है। सीधे शब्दों में कहें तो कहानी सुनाना एक जैविक रूप में जानकारी प्रदान करना है। शिक्षक, कहानीकार और कलाकार का एक ही उद्देश्य होता हैः अपने दर्शकों को सूचित करना, उनसे जुड़ना और उनका मनोरंजन करना। वे सभी अपने संदेश को यथासंभव सबसे सम्मोहक और उत्तेजक तरीके से संप्रेषित करना चाहते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर बीडी गाबा, प्रबंधक विकास गाबा, उप प्रधानाचार्या रिद्धिमा, मुख्याध्यापिका प्रीती मिश्रा, अध्यापिका मंजीत, नीतू, परमज्योति, सोनिया, पायल, हरिंदर ,मधु, रिहाना, आशा, मोनिका, पूनम, अंजली, कोमल, अध्यापक सुनील, जसमेर, इशांत, शक्ति प्रकाश सहित स्टाफ के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम | आदेश में अंगदान व प्रत्यारोपण विषय पर सेमिनार का किया आयोजन

अंगदान आज के समय की जरूरत : डा. एनएस लांबा

- सभी वक्ताओं को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र वितरित किए
- अंगदान के प्रति लोगों को भी जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

मोहड़ी स्थित आदेश मैडिकल कॉलेज व अस्पताल में अंगदान और प्रत्यारोपण विषय पर सेमिनार सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस सेमिनार में विशेष तौर पर पी.जी.आई. से पहुंचे डा. विपिन कौशल ने अंगदान और प्रत्यारोपण को लेकर गहनता से चर्चा की और इस विषय पर लोगों को भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अंगदान और प्रत्यारोपण एक शल्य विधि है जिसके माध्यम से किसी व्यक्ति के विफल अंग को किसी अन्य व्यक्ति के स्वस्थ अंग से बदला जाता है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपनी मृत्यु से पहले स्वैच्छा से अंगदान करने का संकल्प लेते हैं और अंग दान के माध्यम से जिंदगी और मौत में जुझ रहे व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने लोगों को अंगदान करने के लिए प्रेरित भी किया। इसके अलावा पी.जी.आई से पहुंचे डा. काजल जैन, डा. आशीष शर्मा, डा. पारूल गुप्ता, डा. नवदीप बंसल, सरयू डी. मादरा ने भी अंगदान व प्रत्यारोपण को लेकर विशेष बातचीत की और कहा कि लोगों को अंगदान की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए क्योंकि यह भी मानवता व भलाई के साथ-साथ पुण्यात्मक कार्य भी है। आदेश के प्रिंसीपल डा.एन.एस. लांबा ने कहा कि अंगदान आज के समय की जरूरत है और अगर कोई स्वैच्छिक अंगदान करता है तो इससे समाज के ही किसी अन्य व्यक्ति के जीवन को सुरक्षित किया जा सकता है। आदेश के एम.डी. डा. गुणतास सिंह गिल ने कहा कि आमजन में अंगदान के प्रति जागरूकता लाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। डा. गुणतास सिंह गिल ने अंगदान विषय पर विशेष जानकारी उपलब्ध करवाने व जनता को जागरूक करने के लिए पी.जी.आई . से पहुंचे सभी वक्ताओं को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र वितरित किये। इस अवसर पर डी.एम.एस. डा. नरेश ज्योति भी मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र। आदेश में अंगदान और प्रत्यारोपण विषय सेमिनार में पहुंचे वक्ताओं के साथ डा. गुणतास सिंह गिल।

नए दाखिलों के लिए चलाया अभियान

कुरुक्षेत्र। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय हथीरा के इंचार्ज सूबे सिंह और शिक्षक और परमजीत कौर, विकास छौकर, सुमन लता पुनः गांव बाल वाटिका एवं प्रथम कक्षा में नये दाखिला के लिए घर घर जाकर दाखिला अभियान चलाया गया। इस सर्वे में स्टाफ की कोशिश उन बच्चों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है जो अन्य प्राइवेट स्कूलों में कम आयु में होने पर भी आंगनबाड़ी केंद्र छोड़ कर जाते हैं जिसके कारण सरकारी स्कूलों में बच्चे समय पर दाखिल नहीं हो पाते यदि आंगनबाड़ी केंद्र में आयु अनुसार बच्चे बने रहें तो बच्चे सही आयु में कोर्ट के निदेर्शों अनुसार दाखिल हो सकेंगे।

बस-कंबाइन की टक्कर बस चालक की मौत

करनाल। झिलमिल ढाबा के नजदीक एक बड़ा हादसा हो गया। जहां पर राजस्थान रोडवेज की बस और कंबाइन की टक्कर हो गई। जिसमें बस सडक़ से उतरकर खाई में जा गिरी और पेड़ से टकराकर रुक गई। हादसे में बस ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना

मैं, फूल चन्द पुत्र मंशा राम निवासी ग्राम दिनारपुर, तहसील साहा, जिला अम्बाला, ने अपने पुत्र विकास को अपनी सभी चल-अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है, क्योंकि यह मेरे कहने- सुनने से बाहर है। विकास से लेन- देन करने वाला व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा। मैं या मेरे परिवार का दूसरा कोई सदस्य जिम्मेदार नहीं होगा।

खबर संक्षेप

सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया

बराड़ा। संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज में प्राचार्या डॉ. इंदु विज के दिशा-निर्देश में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर /"मेरे भारत के लिए युवा (विकसित भारत 2047)/" विषय पर आधारित है। शिविर का आयोजन एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. पूजा बैरागी की देखरेख में किया गया। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और एनएसएस गीत के साथ हुआ। इस अवसर पर 50 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया।

सड़क दुर्घटना में एक बाइक युवक की मौत

बराड़ा। बराड़ा-अधोया रोड पर एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक बाइक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना अधोया चोंक के पास हुई, जहां एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने एक बाइक को पीछे से टक्कर मारी, जिसके कारण दोनों युवकों की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पिलर से टकरा गई। परिवादी अभिनाश कुमार ने बताया कि वह दोस्त राहुल कुमार के साथ यहां बराड़ा में रहता है। पीछे से आए एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी थी जिसके कारण यह हादसा हुआ।

होली पर्व धूमधाम से मनाया गया

अंबाला। सर्व धर्म समाज कल्याण सोसायटी की ओर से होली पर्व धूमधाम से मनाया गया। इसमें प्रधान कृष्ण गोपाल धीमान,राजेंद्र कौशिक, एनएस रंधावा, एडवोकेट देवी दयाल भारद्वाज, धर्म सिंह जस्सल, कृष्ण कुमार धीमान, बीके शौरी, विनोद कुमार मेहता, वेद प्रकाश कौशिक, सुभाष चंद्र शर्मा, दीदार सिंह, हरि राम धीमान, रवि कुमार धीमान तथा राहुल कुमार धीमान द्वारा सोसायटी कार्यालय में एक दूसरे को गुलाल लगाकर तथा फूल बरसा कर मुंह मीठा करवाकर शुभकामनाएं दी।

निःशुल्क नेत्र और दंत जांच शिविर आज

नारायणगढ़। श्री सनातन धर्म महावीर दल द्वारा प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच एवम दन्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। इसी श्रृंखला के अंतर्गत रविवार 16 मार्च को स्थानीय बजरंग भवन में निरूशुल्क नेत्र जांच एवं दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा।दल के महासचिव राजेश वर्मा ने बताया कि यह शिविर कपिल आई अस्पताल एवं माधव नेत्र बैंक व स्वामी देवीदयाल डेंटल कॉलेज के सहयोग से यह शिविर आयोजित होगा।

लोधर के परीक्षा केंद्र पर नकल करते एक पकड़ा

जींद। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की रसायन विज्ञान विषय की परीक्षा के दौरान लोधर गांव के परीक्षा केंद्र पर एक विद्यार्थी नकल करते पकड़ा गया। उडऩदस्ता टीम ने विद्यार्थी के खिलाफ यूएमसी बनाई। हालांकि शनिवार को 12वीं कक्षा की अकाउंट और पब्लिक एड विषय की भी परीक्षा थी, जो नकल रहित रही। वहीं इससे पहले भी 11 मार्च को हुई दसवीं कक्षा की विज्ञान विषय की परीक्षा के दौरान लोधर में एक ही सेंटर पर तीन विद्यार्थी दूसरे की जगह परीक्षा देते पाए गए थे। इसमें एक युवती भी शामिल थी।

भाजपा संगठन ऊपर से नीचे तक हमेशा तैयार, छावनी से हम लगातार जीत रहे

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से अंबाला से चंडीगढ़ तक मेट्रो ट्रेन चलवाने की मांग उठाई

मनोहर लाल ने छावनी में पहुंच मंत्री विज, निर्वाचित नपा अध्यक्ष व सदस्यों के साथ होली मनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

होली के अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अंबाला छावनी में पहुंच मंत्री अनिल विज, निर्वाचित नपा अध्यक्ष व सदस्यों के साथ होली मनाई। इससे पहले यहां पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान विज ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष अंबाला से चंडीगढ़ तक मेट्रो ट्रेन चलाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ हमारी राजधानी है। मगर चंडीगढ़ तक पहुंचना बहुत मुश्किल होता है। चंडीगढ़ जाने वाली सडक़ पूरी तरह जाम रहती है। लोगों के चंडीगढ़ आने-जाने में कई घंटे लगते हैं। हालांकि इससे पहले केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल ने मंत्री अनिल विज, नगर परिषद में नवनिर्वाचित भाजपा नपा अध्यक्ष व 25 सदस्यों और भाजपा नेताओं के साथ फूलों से होली खेलकर शुभकामनाएं दी। इस दौरान विज ने कहा कि मनोहर लाल के मुख्यमंत्री रहते व उनके सहयोग से हमने अंबाला छावनी का भी और सारे प्रदेश का काम करने की कोशिश की और इनके रहते उन्हें कभी किसी काम में अड़चन नहीं आई। जब भी उन्होंने कोई बात रखी तो मनोहर लाल जी ने उसे हंसते-हंसते स्वीकार किया। सबसे ताजा उदाहरण अंबाला छावनी के डोमेस्टिक एयरपोर्ट का है। एयरपोर्ट के लिए सेना से जमीन लेना बहुत मुश्किल था और सेना से जमीन स्थानांतरित करने के लिए जो कीमत लगाई वह बहुत ज्यादा थी। तब उन्होंने मनोहरलाल से बात की और हंसते-हंसते मनोहर लाल ने एयरपोर्ट की जमीन के लिए 130 करोड़ रुपए अलॉट कर दिए। केंद्रीय शहरी विकास एवं ऊर्जा मंत्री मनोहरलाल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता हर समय चुनाव के लिए तैयार रहना चाहिए। हमारा संगठन पूरी तरह से तैयार है। अंबाला छावनी से बेहतर इस विषय पर कोई नहीं जानता। छावनी से हम लगातार जीत रहे हैं। यहां जो टीम जीतकर आई है उनसे वह आह्वान करते हैं कि वह जनहित में बेहतर कार्य करें ताकि जनता ने जो अपेक्षा उनसे रखी है उन पर वह खरा उतरें। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में स्थानीय निकाय चुनाव में अंबाला छावनी, अंबाला शहर व पूरे हरियाणा में भाजपा बड़े अंतर से विजयी हुई है। प्रदेश में पार्टी की पूरी लहर है और चुनाव में भाजपा को जन-जन ने समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस में जो जीतते थे वो अपने परिवार, रिश्तेदारों व दोस्तों ने सत्ता का सुख सीमित रखते थे। इसके विपरीत भाजपा प्रत्याशी जनता को जीताता है तो हम सर्व समाज के लिए कार्य करते हैं। 2014 से हम तीन लोकसभा चुनाव, तीन विधानसभा और दो बार निकाय व ग्रामीण क्षेत्रों के चुनाव जीत चुके हैं। जनता पर भाजपा सरकार ने विश्वास बनाया है। सबका साथ व सबका विकास सरकार ने किया है।

अंबाला। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का अभिनंदन करते हुए मंत्री विज व अन्य। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

मौके पर नप अध्यक्ष स्वर्ण कौर, भाजपा नेता सोम चोपड़ा, जसबीर जस्सी, राजीव गुप्ता, विजेंद्र चौहान, किरणपाल चौहान, बीएस बिंद्रा, श्याम सुंदर अरोड़ा, नरेंद्र राणा, प्रमोद लक्की, रवि बुद्धराजा, हर्ष बिंद्रा, मोहित कौशिक भी मौजूद रहे।

अंबाला। वीसी के दौरान मौजूद प्रशासनिक अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

आपदा प्रबंधन से जुड़ी योजनाओं को समय पर पूरा करें अधिकारी

- सीएम ने अधिकारियों ने दिए जरुरी निर्देश, गुणवत्ता का भी खास ख्याल रखने की दी हिदायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाढ़ प्रबंधन के दृष्टिगत परियोजनाओं पर समय रहते पूरी गुणवत्ता के साथ काम होना चाहिए। इन परियोजनाओं के कार्य प्रगति फोटो भी पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा निवास से आयोजित हरियाणा राज्य सुखा राहत एवं बाढ़ प्रबंधन विषय पर वीसी के माध्यम से उपायुक्तों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जो भी परियोजनाएं बाढ़ प्रबंधन के तहत स्वीकृत हुई हैं वह समय रहते पूरी होनी चाहिए ताकि वर्षा के दिनों मे जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो सके। इसके साथ-साथ उन्होंने अधिकारियों को कहा कि वह इन परियोजनाओं के तहत समय-समय पर इनका जायजा भी लें ताकि पूरी गुणवत्ता के साथ कार्यों को पूरा किया जा सके। उन्होंने बाढ़ प्रबंधन के तहत वर्ष 2024 में स्वीकृत परियोजनाएं की विस्तार से समीक्षा भी की। वीसी के दौरान उपायुक्त ने सीएम को बताया कि इस वर्ष सिंचाई विभाग के माध्यम से जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए 15 परियोजनाएं बनाई गई हैं। इनमें 12 शॉर्ट टर्म की हैं। 3 मीडियम टर्म की हैं। मुख्यमंत्री ने शॉर्ट टर्म की परियोजनाओं की जानकारी ली। सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता मनीष भारद्वाज ने बताया कि 12 शॉर्ट टर्म योजनाओं के तहत जहां पर पिछले वर्ष या उससे पहले भारी वर्षा के होने से या पहाड़ी क्षेत्र से पानी आने के चलते कुछ बांध कमजोर हो गए थे।

ये रहे मौजूद

मुख्यमंत्री ने सभी को स्पष्ट किया कि जल बाढ़ प्रबंधन से जुड़े कार्य समय रहते होने चाहिएं। इस मौके पर कार्यकारी अभियंता कृष्ण भुक्कल, कार्यकारी अभियंता संदीप कुमार, कार्यकारी अभियंता जन स्वास्थ्य विभाग हरबंस सिंह, कार्यकारी अभियंता कर्णबीर सिंह भी मौजूद रहे।

गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप

- पुलिस ने जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

करीब एक साल पहले अंबाला छावनी के खुड्डा वासी अंकुश की उपचार के दौरान मौत के मामले में डेंटल सर्जन व डीएमएलटी की लापरवाही सामने आई है। लंबी जांच के दौरान युवक के उपचार के दौरान लापरवाही उजागर हुई है। इसी आधार पर अब पुलिस ने डेंटल सर्जन व डीएमएलटी के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों में छावनी के निकलसन रोड स्थित एक डेंटल सर्जन है जबकि दूसरा आरोपी अंबाला शहर के टीबी अस्पताल का डीएमएलटी है। पुलिस जांच के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कह रही है। अंबाला छावनी की सुंदरपुरी कॉलोनी के रहने वाले बलवंत ने बताया कि उसके बेटे अंकुश का दांत का उपचार चल रहा था। इस दौरान डेंटल सर्जन ने उसके बेटे को लापरवाही से कोई इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगने के बाद अंकुश की हालत बिगड़ गई। इसके बाद उसकी मौत हो गई। बलवंत ने इस मामले में 4 अक्तूबर को सिविल सर्जन कार्यालय में शिकायत की थी। उसके बाद विभाग की तरफ से जांच कमेटी का गठन कर दिया गया था। इस कमेटी में उप सिविल सर्जन डॉ. कुलविंद्र कौर, डॉ. अर्पिता गर्ग, डेंटल सर्जन डॉ. कर्ण, डॉ. राज कमल, फिजिशियन डॉ. अनुज जैन, डॉ. दीपक गुप्ता, नीमा शामिल थी।

लापरवाही उजागर

बलवंत का आरोप है कि डेंटल सर्जन व डीएमएलटी की लापरवाही से उसके बेटे की मौत हुई है। इसी आधार पर लंबी जांच के बाद अब जांच टीम ने बलवंत के आरोपों को सही ठहराते हुए डेंटल सर्जन व डीएमएलटी की लापरवाही उजागर की है। इसी आधार पर अब पुलिस ने जांच शुरू की है। फिलहाल एसएचओ कैंट अजायब सिंह ने बताया कि जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर आरोपियों का आरोप है कि पहली जांच में वे निर्दोष साबित हो चुके हैं। आरोपियों ने केस को भी अदालत में चुनौती देने की बात कही है।

करोड़ों के भुगतान को लेकर किसान फिर उग्र

- बकाया भुगतान जल्द करने की मांग, बोले नहीं तो आंदोलन के लिए विवश होंगे किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

गन्ना मिल में शनिवार को किसानों के बकाया को लेकर संयुक्त किसान मजदूर इंकलाब यूनियन शहीद भगत सिंह यूनियन व गन्ना कमेटी की हुई मीटिंग। मीटिंग के बाद किसान नेता धर्मवीर ढिंडसा अध्यक्ष संयुक्त किसान मजदूर इंकलाब यूनियन बोले की मिल की तरफ अब की तारीख में किसानों का लगभग 57 करोड़ के बकाया हैं। इसी मुद्दे को लेकर यह मीटिंग हुई कि अगर मिल प्रबंधन व प्रशासन किसानों का पूरा भुगतान नहीं करती तो क्या आगामी रणनीति होंगी। ढिंडसा ने कहा की किसानों का बकाया दिलवाना सरकार की जिम्मेवारी है जिसे निभाने में वह विफल है। ढिंडसा ने कहा सहकारी शुगर मिल लगे तो उसका भी स्वागत। जब तक मिल नहीं लगती मौजूदा मिल से बकाया दिलवाए सरकार व प्रशासन। उन्होंने कहा की जब तक मौजूदा मिल चल रही है तो इसके सर्विस एरिया जो की 25 किलोमीटर बनता है दूसरी मिल नहीं लग सकती। इस पर सरकार को विचार करना चाहिए। हमने पहले भी यह मुद्दा उठाया था और इसी के बाद मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी बनाकर अध्यन की घोषणा भी की थी जो की एक सार्थक कदम नजर आता है। विक्रम राणा ने कहा मिल मुद्दे पर बकाया को लेकर कहा कि अगर समय पर पेमेंट नहीं दी तो सख्त निर्णय लिया जाएगा। इस अवसर पर काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

नारायणगढ़। बैठक के उपरांत किसान और किसान नेता। फोटो: हरिभूमि

बसपा कार्यकर्ताओं ने कांशीराम को दी श्रद्धांजलि

- भानोखेड़ी में बसपा की ओर से साहेब कांशीराम का मनाया गया जन्मदिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

बहुजन समाज पार्टी की ओर से भानोखेड़ी में साहेब कांशीराम का जन्मदिवस मनाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बामसेफ व बसपा के संस्थापक साहेब कांशीराम को श्रद्धांजलि भी दी। इस दौरान बसपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं को कैथल में प्रस्तावित रैली के लिए भी निमंत्रण दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रवीण कुराली जोन प्रभारी,विशिष्ट अतिथि सरदार गुरनाम सिंह, वरिष्ठ नेता रविंद्र सिंह धीमान भी यहां पधारे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील कुमार सोनू अध्यक्ष विधानसभा ने की। जबकि जिला उपप्रधान अरूण कुमार मंडौर, मुकेश कुमार वाल्मिकी जलबेहड़ा, सर्वजीत सिंह वाल्मिकी लखनौर साहिब,मलकीत सिंह जिला कैशियर, राम कुमार कश्यप, ओमप्रकाश कश्यप, राजकुमार मोखा माजरा, कर्म सिंह बिडंगा, अजय मटहेड़ी, प्यारा सिंह कश्यप, लाभ सिंह वाल्मिकी,राम सिंह मोहड़ी, दयाराम सुल्लर,दविंद्र सिंह, रीना देवी,सोना देवी,सुन्हरी देवी, जीत राम, अशोक, जसवंत सिंह भी यहां विशेषतौर पर मौजूद थे।

अंबाला। बसपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

अमन चैन के लिए दुआ मांगी

- रजा ए मुस्तफा वेलफेयर सोसायटी की ओर से हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

रज़ा-ए-मुस्तफा वेलफेयर सोसायटी द्वारा रणजीत नगर स्थित बादशाही मस्जिद मे रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। सोसायटी के प्रधान मेराज आलम ने बताया कि इफ्तार पार्टी में रोजेदारों ने अमन चैन के लिए दुआ मांगी। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया है। माह ए रमजान एकता व भाईचारगी की सीख देता है। हमें मिल जुलकर त्यौहार मनाना चाहिए। हर धर्म का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इफ्तार से आपसी मोहब्बत और भाईचारा का माहौल बनता है। इस तरह के कार्यक्रम समय-समय पर होते रहने चाहिए। रमजान का महीना पाक महीना है। सब लोग आने वाले त्यौहार ईद को मिल जुल के मनाएं। इस अवसर पर मोहम्मद मासूम रज़ा, मोहम्मद नूर आज़म, जुनैद अंसारी, कलीम अशरफ, रहमत भाई, मोहम्मद सलीम, बबलू, मोहम्मद फारूक, इसरार, मोहम्मद इब्राहिम, मो.नौशाद, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद आसिफ़, अरशद , फरमान हसन, मेहंदी हसन भी मौजूद रहे।

अंबाला। इफ्तार पार्टी के दौरान मौजूद मुस्लिम समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने श्रद्धालुओं के साथ खेली फूलों की होली

होली खेल रहे नन्द लाल वृंदावन कुंज गली में...

- श्रीकृष्ण कृपा धाम गीता मदिर में हुआ होली मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर के सेक्टर 8 स्थित श्रीकृष्ण कृपा धाम गीता मंदिर में होली मिलन कार्यक्रम महामण्डलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के सानिध्य में बड़ी धूमधाम व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इमें वृंदावन से पधारी बहन अर्चना बावरी ने अपने भजनों से श्रद्धालुओं को भाव विभोर किया। इस अवसर पर रसिक रतन जी रतन द्वारा जब भजन ''भांवे चंगियां, भांवे मंदियां, मैं तो तेरे रंगा दे बिच रंगी हां'' तथा '' होली खेल रहे नन्द लाल वृंदावन कुंज गली में'' गाया तो सारा वातावरण भक्तिमय बन गया। ऐसा लग रहा था कि सभी वृंदावन में होली का उत्सव मना रहे हैं। होली मिलन कार्यक्रम में नगर की नवनिर्वाचित मेयर शैलजा सचदेवा एवं उनके पति संदीप सचदेवा ने स्वामी ज्ञानानंद का आशीर्वाद लिया। स्वामी सिरोपा देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि फाल्गुन मास की पूर्णिमा एवं चैत मास की संक्रांति पर मनाया जाने वाला यह उत्सव सनातनी परम्परा एवं आस्था का पर्व है। होली के पर्व के बहुत गहन भाव हैं। उन्होंने कहा कि लाखों वर्ष बीत जाने पर भी इस उत्सव में सनातनी परंपरा के दर्शन होते हैं। होली के अवसर पर अपना संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि विश्वास की हमेशा जीत होती हैं अंहकार सदा हारता ही है। मीरा का विश्वास अटल रहा जबकि राणा का अहंकार टूट गया। मीरा ने तो विष में भी परमात्मा के दर्शन किए। हिरण्य कश्यप का अहंकार टूट गया परंतु प्रह्लाद का विश्वास कायम रहा। गीता मनीषी ने कहा कि जिसका विश्वास पक्का रहा वह हमेशा जीता। भक्त प्रहलाद को लेकर होलिका अग्नि में बैठ गई लेकिन अग्नि में होलिका जल गई परंतु प्रह्लाद जीवित निकल गया।

अंबाला। होली मिलन कार्यक्रम में नवनिर्वाचित मेयर शैलजा सचदेवा गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद को पुष्प गुच्छ भेंट करते। फोटो: हरिभूमि

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद

सनातन धर्म के अध्यक्ष सतीश चावला एवं महेश दत्त वशिष्ठ, जुगल किशोर शर्मा ने गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज का स्वागत किया। इस अवसर पर अशोक चावला, अनुभव अग्रवाल, राजेश चावला राजू, पवन चावला, जगदीश सचदेवा, रविंद्र चोपड़ा, दिनेश ग्रोवर, योगेश चावला, शाम जुनेजा, विजेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष दिनेश, भाजपा जिलाध्यक्ष मंदीप राणा, वीनू गर्ग, दीपक गांधी, पूर्व मंत्री असीम गोयल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पारसनगर से 200 केवीए ट्रांसफार्मर शिफ्ट करने का प्रयास, विरोध में उतरे लोग

अंबाला। अंबाला छावनी की पारस नगर कॉलोनी के लोगों ने अब बिजली एवं परिवहन मंत्री अनिल विज से कॉलोनी में लगे 200 केवीए के ट्रांसफार्मर को शिफ्ट न करने का आग्रह किया है। कॉलोनी के लोगों ने बताया कि गैर आसामाजिक तत्व इस ट्रांसफार्मर को कॉलोनी से शिफ्ट करवाने का प्रयास कर रहे हैं। इस सिलसिले में एसडीओ बिजली निगम को भी शिकायत भी भेजी गई है। पारसनगर वेलफेयर सोसायटी के प्रधान सुरजीत सैनी, महासचिव कैप्टन बीएस मलिक, कैप्टन राजेश यादव, सुरेंद्र सिहं ने बताया कि इससे पहले उनकी कॉलोनी में बिजली का घोर संकट था। इस संकट से निपटने के लिए तब कॉलोनी के लोगों ने मंत्री अनिल विज से मुलाकात कर यहां 200 केवीए का ट्रांसफार्मर लगवाने का आग्रह किया था। विज ने तब उनकी मांग को स्वीकार करते हुए 16 मार्च 2023 को कॉलोनी में 200 केवीए का ट्रांसफार्मर लगवा दिया था।

URGENTLY REQUIRED

THE POSTAL AND RMS EMPLOYEES COOP BANK LTD

(A Multi State Bank duly approved by RBI with Over 550 Crore)Working Capital and Consistently Growing and Progressing looking to fill up the following post

Name of Post	Age as on 01.01.2025	Qualification & Experience
Senior Manager No of Post (one)1	Maximum Age 45 year Pay Scale 52500-123700	1. M.Com 2. CAIIB/Diploma in Coop Banking 3. CA/ICWA/ACS/MBA(Finance) 4. 5 year experience in Supervisory Capacity in Bank/ Commercial Institution *All above 4 requirement are necessary

There is ample growth opportunity in the organization in the long run.
Those who deserve for the desired post should submit their application along with all relevant qualification and experience certificates by email on hrd@postalrmsbank.in within 25 days from the date of publication of this advertisement. No application will be accepted in person

Date 16.03.2025 Sd/- CHIEF EXECUTIVE OFFICER

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक रविवार 16 मार्च 2025

आज के दौर में अक्सर देखा जाता है कि अधिकतर युवा आपस में बातचीत के दौरान भाषा की मर्यादा का ध्यान नहीं रखते हैं। वे अपनी पर्सनालिटी को बिंदास दिखाने के लिए प्रायः ऐसा करते हैं। सच्चाई यह है कि इससे न केवल उनकी सोशल इमेज बिगड़ती है, वर्कप्लेस पर आगे बढ़ने की राह में भी ऐसी भाषा रुकावटें पैदा करती है। इसलिए संवाद के दौरान सजग रहना जरूरी है।

आपसी संवाद की भाषा हो मर्यादित-सकारात्मक-मधुर

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

वर्चुअल दुनिया में परोसे गए कंटेंट की अमर्यादित भाषा को लेकर चल रही बहस के बीच हर किसी के लिए सभ्य शब्दों का महत्व समझना आवश्यक है। आभासी संसार से कहीं ज्यादा, असली दुनिया में सधी संतुलित अभिव्यक्ति जरूरी है। खासकर कूल बनने और कमाल का व्यक्तित्व हो जाने की भूल-भुलैया के इस दौर में युवाओं को यह बात समझनी ही होगी। जरूरी है कि अपने वर्कप्लेस पर भी शब्दों की सभ्यता का दामन थामे रहें। सधी छवि और सफल भविष्य के लिए वर्कप्लेस पर सभ्य भाषा बहुत मायने रखती है।

शब्दों से जुड़ा सम्मान

काम-काजी संसार में किसी भी तरह के लिखित या मौखिक बातचीत में असभ्य शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें। किसी भी परिस्थिति में न तो असभ्य शब्द लिखें और न ही बोलें। ध्यान रहे कि आपके शब्दों से स्वयं का सम्मान भी जुड़ा है। यह न भूलें कि दूसरों के मन और मान को ठेस पहुंचाने वाले शब्द इस्तेमाल करने वाले खुद भी किसी से इज्जत नहीं पाते हैं। बावजूद इसके ऑफिस में भी ह्यूमर के नाम पर किसी सहकर्मी या सहायक स्टाफ की हंसी उड़ाने की गलती बहुत से लोग करते हैं। इस तरह के असामान्य और कुंठाग्रस्त व्यवहार के घेरे में आने से बचने के लिए पहले ही कदम पर सजगता जरूरी है। वरना जाने-अनजाने कुछ भी कह-सुना देने की आदत बनती जाती है। बिना सोचे-समझे मुंह से अभद्र शब्द निकलने लगते हैं। करियर को नुकसान पहुंचाने वाली यह आदत खुद आपको भी एक कुंठित व्यक्तित्व ही देती है। जोश भरे युवाओं को हर पल याद रखना चाहिए कि काम-काजी दुनिया में अनुशासित रहना बहुत आवश्यक है। अच्छी भाषा, इसी अनुशासन का हिस्सा है। अनुशासन के दायरे में रहते हुए सदा सकारात्मक ढंग से बातचीत करने की राह चुनने में ही समझदारी है। किसी के साथ भी असभ्य संवाद करने से पहले याद रखिए कि ये शब्द स्वयं आपके सम्मान से भी जुड़े हैं।

इमेज पर पड़े बुरा प्रभाव

बातचीत में इस्तेमाल होने वाले अभद्र शब्द, इंसान की बॉडी लैंग्वेज भी बिगाड़ देते हैं। बोलने वाले के हाव-भाव को भी नेगेटिव रंगत में ढाल देते हैं। शब्दों पर कंट्रोल न करना, इंसान की बॉडी लैंग्वेज को अजीबो-गरीब बना देता है। समझना मुश्किल नहीं कि ऐसी सभी बातें व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित करती हैं। जो सीधे-सीधे वर्कप्लेस पर आपकी इमेज बिगाड़ने वाली साबित होती हैं। वहीं सोच-समझकर बोलना, न केवल आपका फर्स्ट इंप्रेशन पॉजिटिव बनाता है बल्कि आगे भी आपकी सकारात्मक छवि को कायम रखता है। सोशल लाइफ हो या प्रोफेशनल, सोशल एटिकेट्स हमेशा मायने रखते हैं। आपको यह समझना चाहिए कि बातचीत में गलत शब्दों का चुनाव, आपको असहयोगी और अकड़ू व्यक्ति का तमगा दिलाने वाला बर्ताव साबित हो सकता है।

बेहतरी के लिए सही भाषा जरूरी

काम-काजी दुनिया में आपसे जुड़े सीनियर हों या जूनियर, सही सोच और अच्छे मैनर्स से सबका दिल जीता जा सकता है। स्पष्ट है कि इससे करियर में आगे बढ़ने में भी मदद मिलती है। बेहतर प्रोजेक्ट्स आपके हिस्से आते हैं। इतना ही नहीं सभ्य भाषा और सधा बर्ताव कई बार आपको किसी तकलीफ में फंसने से भी बचा लेता है। सहकर्मियों के साथ किया गया मीनिंगफुल और माइंडफुल संवाद काम-काज के लिए पॉजिटिव परिवेश बनाता है, जिसके चलते लोगों का दिल जीतने के साथ-साथ कामयाबी भी आपके हिस्से आती है। मन जीतने के इन सभी मोर्चों पर अच्छी भाषा सबसे ज्यादा मायने रखती है। असल में देखा जाए तो सकारात्मक शब्दों और सभ्य बोलचाल के प्रभाव का यह सिलसिला इंटरव्यू से ही शुरू हो जाता है। बावजूद इसके युवाओं की अजीबो-गरीब भाषा शैली आज चिंता का विषय बन गई है। मनोवैज्ञानिक विश्लेषणों में भी सामने आया है कि आमतौर पर युवा बेझिझक अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इस बर्ताव के पीछे मौजूद साइकोलॉजिकल कारण बताते हैं कि आज की युवा पीढ़ी बोलने या करने से पहले कुछ नहीं सोचती। साथ ही वे इस बात से भी प्रभावित नहीं होते कि कोई उनके बारे में क्या सोचेगा? या उनके बोले शब्दों का किसी पर क्या प्रभाव पड़ेगा? सच्चाई यह है कि जीवन का कोई पक्ष, अशिष्ट शब्दों के नकारात्मक असर से नहीं बच पाता है। जरूरी है कि युवा आज के दौर में बढ़ती शाब्दिक अभद्रता की संस्कृति से बचें। दफ्तर में भावों, विचारों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हुए संयत और सभ्य शब्दों का चुनाव करें। सधे व्यक्तित्व की सौगात देने वाला यह व्यवहार आपके लिए सदा ही बेहतरी के मार्ग खोलने वाला साबित होगा। *

संवाद से जुड़ा कारगर फॉर्मूला

प्रसिद्ध शोधकर्ता अल्बर्ट मेहराबियन द्वारा दिए गए 55-38-7 का फॉर्मूला बताता है कि कम्युनिकेशन 55 फीसदी नॉन वर्बल (शारीरिक भाषा यानी हाव-भाव) और 38 प्रतिशत वोकल (स्वर के द्वारा) होता है। संवाद में सिर्फ 7 फीसदी हिस्सा ही वर्बल यानी शब्दों से प्रकट होता है कि आप वास्तव में क्या कहते हैं? ऐसे में मजाक हो या प्रतिक्रिया देना, गलत शब्दों का इस्तेमाल आपकी अभिव्यक्ति की पूरी श्रृंखला ही बिगाड़ सकता है। इसलिए हर किसी को संवाद के दौरान अपने शब्दों के इस्तेमाल को लेकर पूरी तरह सजग रहना चाहिए।

इन दिनों आप अक्सर बातचीत के दौरान अलग-अलग पीढ़ियों के लिए कुछ खास नाम सुनते होंगे, जैसे जेन एक्स, मिलेनियल, जेन जेड, बेबी ब्लूमर्स आदि। आपके मन में सवाल उठता होगा कि आखिर ये नाम कैसे रखे जाते हैं? इनकी क्या विशेषताएं हैं? आइए, इन सभी सवालों के जवाब जानते हैं।

एक-दूसरे से अलग-अनोखी है हर जेनरेशन की कहानी

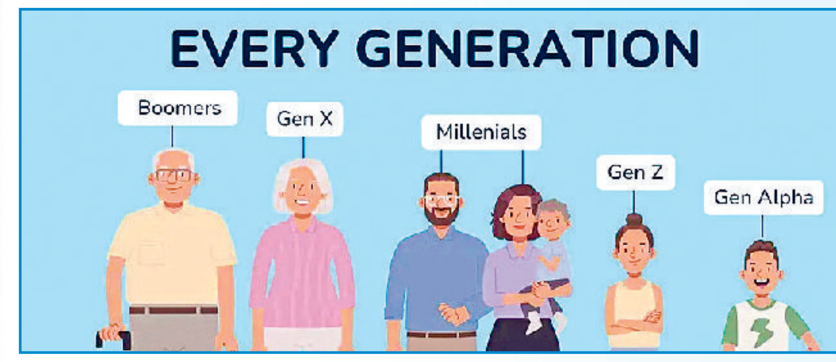

सोशल ट्रेंड
शिखर चंद जैन

एक समय तक आम चलन में नई और पुरानी पीढ़ी का ही जिक्र किया जाता रहा है। लेकिन अब अलग-अलग पीढ़ी को अलग नामों से भी जाना जाता है। इनका चलन हाल के सालों में तेजी से बढ़ा है।

कैसे तय होता है पीढ़ियों का नाम: पीढ़ियों का नाम तय करना, श्रमसाध्य, विचारपरक और कई चीजों पर आधारित एक जटिल प्रक्रिया है। यह एकेडमिक अनुसंधान, मीडिया के प्रभाव और सांस्कृतिक प्रभाव पर निर्भर करता है। जनसांख्यिक और समाजशास्त्री जनसंख्या सर्वेक्षणों, जन्म दरों और सामाजिक परिवर्तनों की पहचान के आधार पर ये नामकरण करते हैं। हां, इसे लोकप्रिय और प्रचलित करने का काम मीडिया का होता है।

नया ट्रेंड है पीढ़ियों का नामकरण: पीढ़ियों के नामकरण और श्रेणीबद्ध करने की परंपरा बहुत पुरानी नहीं है। 20वीं सदी की शुरुआत में इसका चलन शुरू हुआ है। इस वक्त जनसांख्यिकों और समाजशास्त्रियों ने जनसंख्या का विश्लेषण और सामाजिक बदलाव को दर्ज करना शुरू कर दिया था। पीढ़ियों के नाम महत्वपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक घटनाओं, विभिन्न आयु वर्ग की आदतों और समय विशेष पर आधारित होने लगे। अब आपको बताते हैं, अब तक की अलग-अलग पीढ़ियों के नामकरण के बारे में।

बेबी बूमर्स: वर्ष 1946 से 1964 के बीच जन्मे बच्चों को बेबी बूमर्स कहा गया। दरअसल, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक बेबी बूम आया था, जब दुनिया में जन्म दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। इस पीढ़ी ने 60 के दशक के बड़े सामाजिक परिवर्तन देखे। इसी दौरान कार्पोरेट जगत का उदय हुआ और और लोगों की जीवनशैली पर इस संस्कृति का खासा प्रभाव पड़ा। उस दौर के लोग आज सीनियर सिटिजन हो चुके हैं।

जेनरेशन एक्स: 1965 से 1980 के बीच जन्मे बच्चे, जेनरेशन एक्स कहलाते हैं। इस दरमियान समाज में कोई उल्लेखनीय और व्यापक परिवर्तन नहीं हुए। यद्यपि उस पीढ़ी के बच्चों ने पर्सनल कंप्यूटर का उद्भव होते देखा है। उस दौर के लोग अब मिड एज क्रॉस कर ओल्ड एज की ओर बढ़ रहे हैं।

मिलेनियल/जेन वाई: 1981 से 1996 के बीच जन्मे बच्चों को मिलेनियल कहा जाता है। उस पीढ़ी के लोगों ने 'मी जेनरेशन' या 'ईको बूमर्स' भी कहा जाता है। उस पीढ़ी को अपने में ही डूबे रहने, एकलवाद, डिजिटल टेक्नोलॉजी की जानकार और आर्थिक रूप से संपन्न माना गया। ये पीढ़ी मैटीरियल पजेजन से ज्यादा एक्सपीरियंस को महत्व देती थी।

जेनरेशन जेड: 1990 के मध्य से 2010 तक के दशक की शुरुआत तक जन्मी पीढ़ी को जेन जेड कहा जाता है। इस पीढ़ी को इसकी ग्लोबल कनेक्टिविटी और एंटरप्रेन्योरल स्पिरिट के लिए जाना जाता है। इन्हें कहीं-कहीं आई जेनरेशन और डिजिटल नेटिव्स भी कहा जाता है। इस पीढ़ी के बच्चे स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और सूचनाओं के त्वरित ग्रहण और उसे दूसरों तक प्रसारित करने के लिए जाने जाते हैं। ये पीढ़ी अभी युवावस्था से गुजर रही है।

जेनरेशन अल्फा: 2010 से 2024 के बीच जन्मे बच्चे जेनरेशन अल्फा के बच्चे कहलाते हैं। अल्फा 21वीं सदी की पहली पीढ़ी कही जा सकती है। यह पीढ़ी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑगमेंटेड रियलिटी और स्मार्ट टेक्नोलॉजी के साए में जन्मी, पली और बड़ी हुई है। उनकी शिक्षा, खेलकूद, एंटरटेनमेंट सब कुछ टेक्नोलॉजी से अत्यधिक प्रभावित है। यह पीढ़ी अभी टीनएज से गुजर रही है। इसके बाद इसी साल एक जनवरी 2025 के बाद से जन्म लेने वाली पीढ़ी को जेन बीटा का मेंबर माना जा रहा है। इनके जीवन के हर पक्ष में तकनीक का जबर्दस्त प्रभाव दिखेगा।

एक पीढ़ी के गुणों में समानता: यह एक जटिल प्रश्न है कि क्या दुनिया भर में जन्मे एक पीढ़ी के लोगों में समानता होती है? यह काफी कुछ दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में घटने वाली घटनाओं, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, वातावरण एवं सामाजिक ढांचे पर निर्भर करता है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इंटरनेट युग में जन्मी ग्लोबल युवा पीढ़ी के बहुत सारे गुण और आदतें लगभग एक समान होते हैं। *

क्या है सैंडविच पीढ़ी

सैंडविच पीढ़ी का अर्थ मध्यम आयु वर्ग यानी 45 से 55 वर्ष के इर्द-गिर्द के व्यक्तियों से है। इन पर अपने बुर्जुग माता-पिता और युवा बच्चों दोनों का भरण-पोषण करने की जिम्मेदारी है। सैंडविच पीढ़ी का नाम इसलिए रखा गया है, क्योंकि वे अपने बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के दायित्व और किशोरावस्था से युवा होते बच्चों की नई-नई फरमाइशों और चाहतों के बीच 'सैंडविच' जैसी स्थिति में होते हैं। ये कम ऊर्जावान, थके-थके से या बीमारियों से जूझने वाले हो सकते हैं। विभिन्न कार्य करने में असमर्थ हो सकते हैं या इनका वित्तीय रुप से अकसर हाथ तंग हो सकता है। इन्हें इस उलझन से गुजरना पड़ता है कि मां-बाप के लिए दवा और तीर्थाटन की व्यवस्था करें या बच्चों को महंगे गैजेट्स और ब्रांडेड कपड़े खरीदकर दें।

छोटी कहानी
सुनील कुमार महला

शर्मिंदा

ऑटो रिक्शा में अनिल के बगल में आकर वह व्यक्ति जैसे ही बैठा, उसने अपना एक हाथ अनिल के बैग पर रख दिया। अनिल ने उसे ऐसा करने से मना किया। लेकिन उस आदमी ने हाथ रखने की जो वजह बताई, अनिल खुद पर शर्मिंदा हो गया।

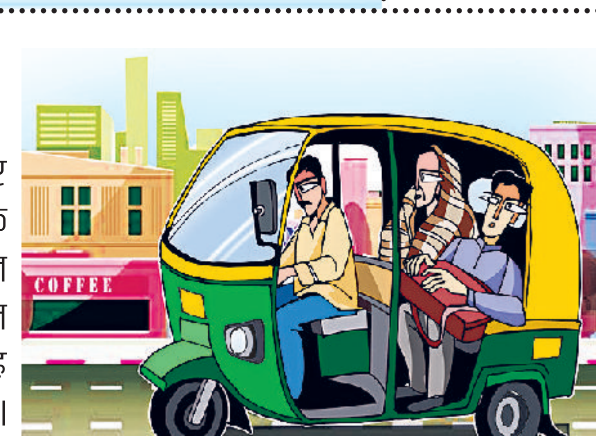

रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ा अनिल, बस स्टैंड जाने के लिए ऑटो रिक्शा का इंतजार कर रहा था। तभी एक ऑटो रिक्शा वाला तीस रुपए में बस स्टैंड जाने के लिए तैयार हो गया। अनिल ने अपने दो भारी-भरकम बैग ऑटो रिक्शा में रखे और स्वयं भी उसमें सवार हो गया। ऑटो रिक्शा में अनिल अकेला ही बैठा था। जब कोई अन्य सवारी ऑटो में बैठने नहीं आई तो उसने अपने एक बैग को ऑटो रिक्शा की सीट पर ही रख दिया, ताकि पैरों के पास सामान रखने से उसे ऑटो रिक्शा में बैठने में कोई दिक्कत-परेशानी न हो। शाम का समय था, ठंडी हवाएं चल रही थीं, इसलिए अनिल ने अपने चेहरे को मफलर से ढंक रखा था। ऑटो रिक्शा वाला अभी एक अन्य सवारी के इंतजार में था। थोड़ी देर में एक लंबा व्यक्ति, जो कंबल ओढ़े हुआ था, बस स्टैंड जाने के लिए उसी ऑटो रिक्शा के पास आया। ऑटो रिक्शा वाले ने उस व्यक्ति को भी ऑटो में बिठाया। वह लंबा व्यक्ति ऑटो रिक्शा में उस साइड में बैठ गया, जिधर सीट पर अनिल का सामान से भरा हुआ भारी-भरकम बैग रखा हुआ था। ऑटो रिक्शा में सवार होते ही कंबल ओढ़े हुए उस व्यक्ति ने अपना दायां हाथ बैग के ऊपर रख दिया और संभल कर बैठ गया। ऑटो रिक्शा वाला गंतव्य की ओर चल पड़ा। तभी अनिल ने ऑटो रिक्शा में बैठे उस व्यक्ति की ओर देखते हुए थोड़ा गुस्से में कहा, 'भाई साहब! जरा ध्यान से बैठें और हां, बैग को इतना दबाव देते हुए न पकड़ें। दरअसल, बैग में बच्चों के लिए कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है और आपके हाथ के दबाव से इसमें रखा सामान टूट सकता है।'

कंबल ओढ़े हुए वह व्यक्ति अनिल की बात सुनकर एकदम से सकपका गया, उसने अनिल से कहा, 'अरे भाई साहब मुझसे गलती हो गई! मुझे नहीं पता था कि इसमें आपका कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है। दरअसल, वो क्या है कि मेरा एक ही हाथ है न! ऑटो रिक्शा जब ऊबड़-खाबड़ सड़क पर तेजी से चलता है, तब एकदम से ऑटो रिक्शा में अपना बैलेंस बनाना मुश्किल होता है इसलिए, थोड़ा सहारा लेने के लिए, भूलवश मैंने आपके सामान से भरे बैग पर अपना हाथ रख दिया। इसके लिए मुझे माफ कर दीजिए, मैं बहुत शर्मिंदा हूं।' उस व्यक्ति की ये बातें सुनकर अनिल उसे एकटक देखता ही रह गया। दरअसल, अनिल ने कंबल ओढ़े व्यक्ति को ऑटो रिक्शा में बैठते समय एकबारगी देखा जरूर था, लेकिन उस व्यक्ति के कंबल ओढ़े रहने के कारण सुनील को इस बात का अहसास ही नहीं हुआ था कि जो व्यक्ति ऑटो में उसके साथ बैठा था, उसके एक ही हाथ है। अनिल अब अपने रूखे बर्ताव पर मन ही मन शर्मिंदा महसूस कर रहा था। *

गजल
अब्दुल कलाम

हम अमर होते

सुबह शाम उनकी नजर होते
आइना काश हम अगर होते

तुरबतें अपनी भी बाकमाल होती
हम जो मीर, गालिब या जफर होते

खत में पता ही गलत था वरना
गए हम भी उनके शहर होते

बैठ जाते घनी छांव में थक कर
हमारे जीवन का जो तुम शजर होते

तुम्हारी याद में जीते और याद में
मर कर भी हम अमर होते

तुमने देखा ही नहीं उस रोज का अखबार
वरना हमारे हाल से तुम बाखबर होते

लघुकथा
गोविंद भारद्वाज

बदलते हुए मायने

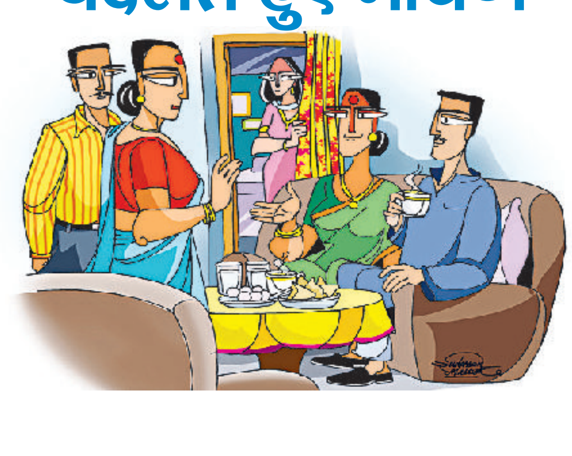

अपने बेटे के लिए सोनाक्षी को देखने आईं सावित्री ने कहा, 'आपकी बेटी सोनाक्षी हमें बहुत पसंद है, बस अब आपकी हां की जरूरत है।'

'हमारी तो हां है बहन जी... इसलिए तो आपको लड़की दिखाने के लिए बुलाया है।' पार्वती ने खुश होकर जवाब दिया।

'तो देर किस बात की है... मुंह मीठा कराइए...' सावित्री ने तपाक से कहा।

इस पर पार्वती ने विनम्रता से कहा, 'बहनजी रिश्ता पक्का करने से पहले दान-दहेज की भी खुल के बात कर लें तो ठीक रहेगा... ताकि आगे चलकर संबंधों में कोई खटास न आए।'

'बात तो आप ठीक कह रही हैं। इस बारे में मेरी राय यह है कि दहेज से तो हमें सख्त नफरत है... हां रही दान की बात, आप जितना भी देंगे अपनी इकलौती बिटिया को देंगे... इससे हमें कोई ऐतराज नहीं होगा।' सावित्री ने अपने मन की बात कही।

इस पर सोनाक्षी के पिताजी ने अपनी धर्मपत्नी पार्वती को दूसरे कमरे में बुलाया और उनसे धीरे से कहा, 'देखा पार्वती... कितनी चालाक हैं ये... दहेज से नफरत है और दान से नहीं... बातों-बातों में शब्दों के हेर-फेर से दहेज लेने की बात भी कह दी।'

पार्वती बोली, 'तुम ठीक कह रहे हो सोनाक्षी के पापा... मायने में तो दान और दहेज कोई अलग-अलग शब्द नहीं हैं।'

'क्या बातचीत हो रही है हमारे समधी-समधन में...' सावित्री ने उन्हें फुसफुसाते देखकर बाहर वाले कमरे से पूछा।

'कुछ नहीं बस, हम दुनिया के बदलते हुए मायने पर विचार कर रहे थे।' पार्वती ने जवाब दिया। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मोहब्बत की दास्तानें

सारी दुनिया में मोहब्बत पर अब तक असंख्य कहानियां लिखी जा चुकी हैं। लेकिन यह ऐसा एहसास है, जिसे हर कोई अपनी तरह से महसूसता है, उसे बयां करता है। यह एहसास, वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय द्वारा लिखी गई पंद्रह प्रेम कहानियों के संकलन 'मितऊ' की कहानियों से गुजरते हुए और पुख्ता होता है। इन कहानियों में अलग-अलग उम्र और परिवेश के पुरुष और स्त्री के बीच पनपे प्यार के जज्बातों को पूरी संजीदगी से व्यक्त किया गया है। संग्रह की 'विकल्प' कहानी को अगर छोड़ दिया जाए तो अधिकतर में प्यार अपने अंजाम तक नहीं पहुंच पाता है। या कहें, सभी में अलग-अलग भावभूमि और जीवन-परिस्थितियों के आगे विवश, प्रेमी युगल विरह की टीस के साथ एक-दूसरे से अलग हो जाते हैं। इन कहानियों की विशेषता यह भी है कि इनके नायक-नायिकाओं में कहीं भी देहासक्ति नजर नहीं आती है, प्रेम की पवित्र भावना की गरिमा बनाए रखना उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसे कई कहानियों में देख सकते हैं। फिर वो चाहे 'मेज नंबर सात' का लाइब्रेरियन हो या 'चौथे पहर का विरह गीत' का पत्रकार, प्रेम की मर्यादा को कभी नहीं लांघते हैं। यही इन कहानियों की खूबसूरती भी है, जो इन्हें बेहद पठनीय बना देती है। *

पुस्तकः मितऊ (कहानी संग्रह), **लेखकः** गोविंद उपाध्याय, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात का दुबई शहर, पूरी दुनिया में अपनी खूबसूरती और आधुनिक सुख-सुविधाओं के लिए जाना जाता है। इसे खूबसूरत बनाने के लिए शहर की व्यवस्थित प्लानिंग, प्रशासनतंत्र और स्थानीय लोगों का सामूहिक योगदान है। कुछ समय से दुबई में रह रहे लेखक ने वहां की खासियतों को स्वयं अनुभव किया है। उसी को बयां कर रहे हैं अपनी जुबानी।

आधुनिकता-विविधता को समेटे शानदार-खूबसूरत शहर दुबई

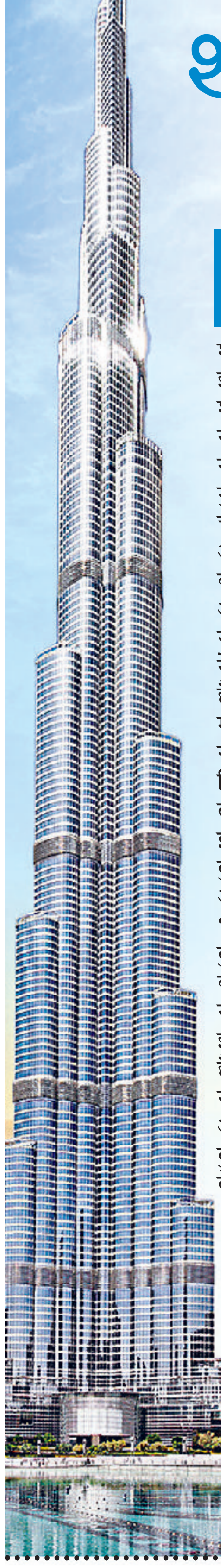

बेमिसाल

जोगिंदर रोहिल्ला

दुनिया के कई देशों में रहने और काम करने का अनुभव मुझे मिलता रहा है। फिलहाल दुबई में हूं। इस शहर की कई विशेषताएं ऐसी हैं, जो इसे दुनिया भर से अलग बनाती है। यह शहर आधुनिकता, विविधता और स्वच्छता का अनोखा संगम कहा जा सकता है। इस शहर की सड़कों से गुजरते हुए, मुझे इसकी हरियाली, चमचमाती गगनचुंबी इमारतें और अनुशासित जीवनशैली बहुत प्रभावित करती है। 'हरियाली' शब्द पढ़कर आप चौंक तो नहीं गए! दुबई तो संयुक्त अरब अमीरात में है, जो रेगिस्तानी इलाके के रूप में जाना जाता है। तो यहां हरियाली कैसे? शुरू-शुरू में मुझे भी यही आश्चर्य हुआ था, लेकिन सच यह है कि यहां के बहुत से रिहायशी इलाके बहुत ही व्यवस्थित ढंग से हरे-भरे नजर आते हैं।

इमारतों-सड़कों का आकर्षण: दुबई अपनी गगनचुंबी इमारतों और अद्वितीय वास्तुकला के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। बुर्ज खलीफा, जो दुनिया की सबसे ऊंची इमारत है, दुबई की पहचान बन चुकी है। लेकिन यही नहीं इस शहर की लगभग हर ऊंची इमारत में कोई न कोई ऐसी खासियत है, जो इसे अलग बनाती है। ये खूबसूरत-गगनचुंबी इमारतें न केवल आधुनिकता का प्रतीक हैं, बल्कि इनसे दुबई का भविष्य भी झांकता दिखाई देता है। दुबई शहर की मुख्य सड़क शेख जायद रोड, जिसके दोनों ओर शानदार इमारतें हैं, ऐसा स्थान है, जो शहर की गतिशीलता और ऊर्जा को भी दर्शाती है। रात के समय इमारतों की जगमगाती रोशनी और सड़कों पर दौड़ती गाड़ियां अत्याधुनिक शहर का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

मन मोहती स्वच्छता: दुबई में कदम रखते ही सबसे पहली बात, जो ध्यान आकर्षित करती है, वह है यहां की बेहतरीन स्वच्छता। चारों तरफ इतनी सफाई रहती है कि आप हैरान हो जाएंगे। मैं दुबई मरीना एरिया में कुछ दिन रहा और नोट किया कि सूरज निकलने से काफी पहले ही म्युनिसिपैलिटी के सफाई कर्मचारी अपने काम में लग जाते हैं और निश्चित करते हैं कि सफाई में कोई भी कमी न रहे। दुबई का हर कोना मानो, यह संदेश देता है कि स्वच्छता ही असली सुंदरता है।

सभी करते हैं नियमों का पालन: यातायात संबंधी कोई परेशानी यहां नजर नहीं आती है। सभी यातायात नियमों का पालन करते हैं। इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कड़े दंड का प्रावधान है। उदाहरण के लिए अगर आप सड़क पार करते समय निर्धारित स्थानों का उपयोग नहीं करते हैं तो आपको स्थानीय 400 दिरहम (एईडी) का जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह न केवल लोगों को अनुशासित रहने के लिए प्रेरित करता है, बल्कि शहर की स्वच्छता और सुरक्षा बनाए रखने में भी मदद करता है। बहुत सारे विकसित देशों की तरह ही दुबई में भी सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

सी-बीच के लाजवाब नजारे: दुबई के समुद्र तट भी इसकी खासियतों में से एक हैं। साफ-सुथरे और व्यवस्थित समुद्र तटों पर समय बिताना किसी जादुई अनुभव से कम नहीं होता है। मुझे विशेष रूप से दुबई की बीच लाइब्रेरी बहुत पसंद आई। समुद्र किनारे किताबें पढ़ने का अनुभव अनोखा और सुकून भरा होता है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि ज्ञानवर्धन का भी। इन तटों पर सुबह-सुबह की सैर और सूर्यास्त के समय का दृश्य मन को असीम शांति प्रदान करता है। दुबई स्थित मरीना बीच और जुमेराह बीच का साफ और व्यवस्थित वातावरण इसे और भी खास बनाता है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए विभिन्न प्रकार के वॉटर स्पोर्ट्स का आयोजन भी किया जाता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

दिखती है अनेकता में एकता: दुबई शहर की एक विशेषता, यहां विविधताओं का अनोखा संगम भी है। यहां 100 से अधिक देशों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। अलग-अलग संस्कृति, भाषा और परंपराओं के बावजूद यहां के लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। इतनी विविधता के बावजूद, दुबई एकता की मिसाल कायम करने वाला शहर है। यहां की दुकानों और बाजारों में विभिन्न देशों के व्यंजन और उत्पाद आसानी से मिल जाते हैं, जो इस सांस्कृतिक समृद्धि को और भी उजागर करते हैं।

हर जगह दिखती है सुचारु व्यवस्था: दुबई की सार्वजनिक सेवाएं भी बेजोड़ हैं। यहां की मेट्रो सेवा, बस सेवा और टैक्सी सेवा इतनी व्यवस्थित है कि किसी को भी यात्रा करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। यहां का सार्वजनिक परिवहन इतना सुविधाजनक है कि आप बिना किसी परेशानी के शहर के कोने-कोने तक पहुंच सकते हैं। स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली इतनी तेज और प्रभावी है कि समय का सम्मान हर जगह नजर आता है। दुनिया के कई देशों में घूमने के बाद, दुबई ने मुझे यह सिखाया है कि जब विविधता, अनुशासन और स्वच्छता का संगम होता है, तो एक बेहतर शहर-समाज का निर्माण होता है। *

बेमिसाल है मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी

दुबई में कोई पुस्तकप्रेमी पर्यटक आए और मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी न जाए, यह तो हो ही नहीं सकता है। वैसे भी मैं दुनिया में जिस भी नए शहर जाता हूं, वहां की लाइब्रेरी जरूर देखता हूं। लेकिन मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी को देखकर यही कहने को दिल करता है कि ऐसी लाइब्रेरी कोई और नहीं है। इस लाइब्रेरी की बिल्डिंग भी बुक शेप्ड है। यहां टेक्नोलॉजी और किताबों को बहुत ही अच्छे तरीके से एक जगह पर संजोया गया है। इस लाइब्रेरी में विभिन्न विषयों पर बेशुमार पुस्तकें और उनके डिजिटल फॉर्मेट्स बुक लवर्स के लिए उपलब्ध हैं।

यादगार नए साल का स्वागत

इस साल दुबई में नए साल (वर्ष 2025) का स्वागत करना मेरे जीवन का एक यादगार अनुभव रहा। मरीना बीच पर आतिशबाजी का शानदार प्रदर्शन, संगीत और खुशियों की गूंज ने इस पल को अविस्मरणीय बना दिया। नए साल के मौके पर सड़कों पर उमड़ी भीड़ और हर चेहरे पर खुशी की चमक इस शहर की जिंदादिली का प्रतीक थी। उसे देखकर यही लगा कि यहां के उत्सवप्रेमी लोग खुशी के हर अवसर को उल्लास से भर देते हैं।

सेल्फ मोटिवेशन

अतुल मलिकराम

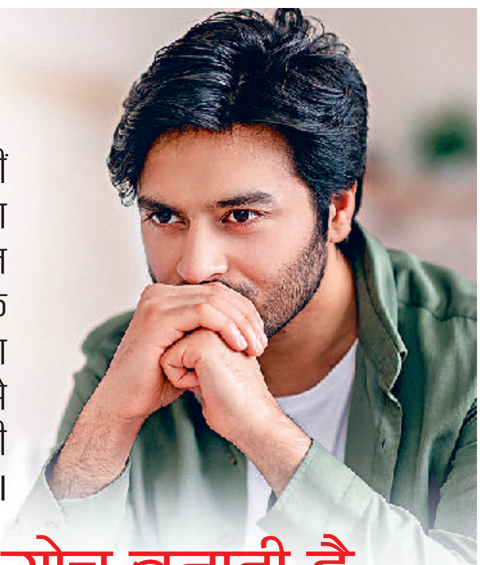

गरीबी केवल आर्थिक स्थिति नहीं होती है, यह एक मानसिकता का भी परिणाम होती है। जब तक हम अपनी सोच नहीं बदलते, तब तक अपनी स्थिति में बदलाव करना मुश्किल है। यह बदलाव कैसे संभव है, इसके लिए क्या जरूरी है, हमें जरूर जानना चाहिए।

पैसा नहीं सोच बनाती है हमें अमीर या गरीब

गरीबी, हमारे देश-समाज में एक ऐसी समस्या है, जिसे खत्म करने के लिए सबसे ज्यादा प्रयास किए गए। इसके लिए हर प्रकार की योजनाएं, कार्यक्रम और अभियान चलाए गए, फिर भी इस समस्या से छुटकारा नहीं पाया जा सका। इसका एक कारण यह है कि इस समस्या को केवल एक आर्थिक स्थिति मानकर ही इसका हल खोजा जाता रहा है, जबकि यह समस्या केवल आर्थिक अभाव की स्थिति नहीं है, बल्कि इससे बढ़कर यह एक मानसिक स्थिति भी है।

सोच रखती है मायने: गरीब होना केवल पैसों की कमी का नाम नहीं होता है, बल्कि यह उस सोच का भी परिणाम है, जो किसी को गरीबी के जाल से बाहर निकलने से रोकती है। कई बार लोग गरीबी को केवल आर्थिक दृष्टिकोण से देखते हैं। उनके अनुसार, गरीबी मिटाने का समाधान केवल धन है। लेकिन, क्या सचमुच ऐसा है? यदि केवल आर्थिक मदद से गरीबी दूर हो सकती, तो अब तक दुनिया से गरीबी का नामो-निशान मिट चुका होता। लेकिन ऐसा नहीं हो सका है।

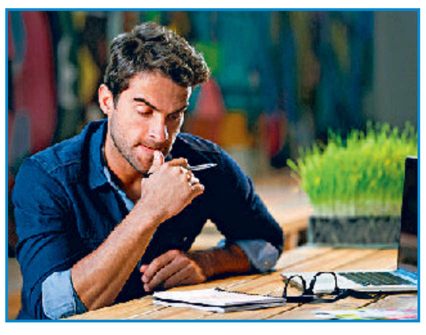

मानसिकता होती है जिम्मेदार: आर्थिक स्थिति के साथ-साथ गरीबी उस मानसिकता का परिणाम है, जिसमें इंसान अपने आप को परिस्थितियों का गुलाम मान लेता है। ऐसी सोच वाले लोग अपनी स्थिति को बदलने का प्रयास ही नहीं कर पाते। आपने कई बार देखा और सुना होगा कि कुछ परिवार पीढ़ी-दर-पीढ़ी गरीब रहते हैं। इसका कारण केवल आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि वह मानसिकता है, जो उनकी हर पीढ़ी को विरासत में मिलती है। बच्चे अपने परिवार के वातावरण और सोच को आत्मसात कर लेते हैं। जब वे अपने माता-पिता को यह कहते सुनते हैं, 'हम तो हमेशा से गरीब हैं', या 'गरीबी के साए में पलना-बढ़ना ही हमारी किस्मत में है', तो उनके मन ही नहीं, बल्कि जीवन में भी यही विश्वास घर कर जाता है। और यही विश्वास फिर धीरे-धीरे उनकी सोच और व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। इस प्रकार, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक यह मानसिकता हस्तांतरित होती रहती है और गरीबी नाम का यह साया और भी काला होता चला जाता है।

सही सोच से संभव है बदलाव: गरीबी की कैद से बाहर निकलने के लिए केवल धन की आवश्यकता नहीं होती है। इसकी असली चाबी है सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प। वे ही लोग गरीबी से बाहर निकल सके हैं, जिन्होंने सबसे पहले अपनी सोच और मानसिकता बदली। उन्होंने यह समझा कि गरीब होना स्थायी स्थिति नहीं है। वे समझते हैं कि यदि वे मेहनत करें, अपने हुनर को पहचानें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो वे अपनी स्थिति को बदल सकते हैं।

आत्मविश्वास से बदलेंगे हालात: सोच के समृद्ध होने का मतलब केवल बड़े सपने देखना भर नहीं होता है। इसका मतलब है, हर चुनौती को अवसर के रूप में देखना और लगातार प्रयास करते रहना। साथ ही यह ठान लेना कि इस स्थिति से बाहर निकलना ही है। जब तक यह विश्वास नहीं होगा कि आप अपनी स्थिति बदल सकते हैं, तब तक कोई भी आपकी मदद नहीं कर पाएगा। इसलिए अपनी स्थिति सुधारने के लिए सबसे पहले मानसिकता बदलने की जरूरत है।

खुद पर विश्वास करना गरीबी से बाहर निकलने की पहली सीढ़ी है। जब आप यह मानेंगे कि आप बदलाव ला सकते हैं, तभी आप प्रयास करेंगे। ज्ञान और कौशल वह हथियार हैं, जिनसे आप किसी भी स्थिति से बाहर निकल सकते हैं। नए कौशल सीखें और अपने आप को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं। नकारात्मक विचारों को त्यागें और हर समस्या में समाधान ढूंढ़ने की आदत डालें। अगर हम अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं, अपने आप पर विश्वास रखें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो हम गरीबी से बाहर निकल सकते हैं। *

फैशन ट्रेंड

विवेक कुमार

अगर आप ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल होने के साथ-साथ आपको फैशनेबल और ट्रेंडी लुक भी दे, तो स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर आपके लिए परफेक्ट च्वॉइस हो सकती है।

कूल फैशन का ऑप्शन एथलीजर-स्पोर्ट्स वियर

इन दिनों युवाओं में स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर वियर ऐसी ड्रेस होती हैं, जिन्हें खासतौर से स्पोर्ट्स या जिम एक्टिविटीज के लिए डिजाइन किया जाता है। मसलन जॉगर्स, ट्रैक पैंट्स, लेगिंग्स, क्रॉप टॉप्स, हूडीज, स्नीकर्स और जैकेट्स आदि। ये ड्रेसेस डेली यूज के लिहाज से भी कंफर्टेबल और स्टाइलिश होते हैं। यह फैशन आमतौर पर युवा ही कैरी करते हैं, क्योंकि इसे कैरी करने के लिए बॉडी फिटनेस और फ्लैक्सिबिलिटी बहुत जरूरी है, तभी ये बेस्ट अपीयरेंस देती है।

क्यों बढ़ रहा है क्रेज: हाल के सालों में युवाओं में फिटनेस को लेकर क्रेज बढ़ा है, ज्यादा से ज्यादा यंगस्टर्स वर्कआउट करते हैं। आज के फिटनेस फ्रीक यंगस्टर्स ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल और फैशनेबल होने के साथ-साथ उनकी फिटनेस को शो-ऑफ भी करे। ये सारी क्वालिटीज उन्हें स्पोर्ट्स और एथलीजर वियर में एक साथ मिल जाती हैं। ये ड्रेस ग्लोबल और ट्रेंडी फैशन का हिस्सा हैं। चाहे बॉलीवुड या हॉलीवुड के सितारे हों, मशहूर खिलाड़ी हों, बिजनेस टाईकून हों या किसी भी क्षेत्र के कामयाब युवा हों, वे फिट और स्मार्ट दिखने के लिए आजकल स्पोर्ट्स वियर को फैशन की तरह कैरी कर रहे हैं, इसलिए भी ये ड्रेसेस युवाओं को बहुत पसंद आ रही हैं। वे खूब चाव से इन्हें पहनते हैं।

होते हैं कंफर्टेबल-मल्टीपर्पस: एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर हल्के, कंफर्टेबल और स्ट्रेचेबल फैब्रिक से बनाए जाते हैं। ये बॉडी के लिए ब्रिथेबल (सांस लेने योग्य) होते हैं, जिस कारण इन्हें लंबे समय तक पहना जा सकता है। साथ ही ये मल्टीपर्पस और मल्टीस्टाइल होते हैं। जिम, कैजुअल आउटिंग या ऑफिस के लिए भी ये उपयुक्त समझे जाते हैं।

हर प्राइस रेंज में अवेलेबल: मार्केट में हर प्राइस रेंज में एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर अवेलेबल हैं। डिफरेंट ब्रांड्स और क्वालिटी के हिसाब से 500 से 1500 रुपए के लोअर रेंज, 1500 से 5000 रुपए के मिड रेंज और 5000 रुपए से शुरू होने वाले हाई-एंड रेंज में आपको ये स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर मिल जाएंगे।

जब कैरी करें स्पोर्ट्स-एथलीजर: जब भी आप एथलीजर या स्पोर्ट्स वियर कैरी करें तो फिटिंग का ध्यान जरूर रखें। अधिक लूज स्पोर्ट्स वियर अटपटे लगते हैं। ये हमेशा फिट होने चाहिए। हालांकि इतने टाइट भी न हों कि आप असहज महसूस करें। दूसरी जो बात सबसे ज्यादा ध्यान देने की है कि आपके स्पोर्ट्स वियर का मैटीरियल क्या है? वास्तव में ये स्वेट विकिंग यानी पसीना सोखने वाला होना चाहिए और ब्रीथेबल यानी सांस लेने में योग्य तो होना ही चाहिए। स्पोर्ट्स वियर को हमेशा जितना संभव हो सादगी से पहनें। ये कैजुअल आउटिंग के लिए ही ठीक हैं। कभी फॉर्मल इवेंट में इन्हें कैरी करके न जाएं।

इन बातों का भी रखें ध्यान: न्यूट्रल और मोनोक्रोम लुक्स (जैसे-ब्लैक, व्हाइट, ग्रे) वाले एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर इन दिनों ट्रेंड में हैं। इन्हें कैरी करते समय अपने शूज का भी ध्यान रखना जरूरी है। इनके साथ आप हमेशा क्लीन और ट्रेंडी स्पोर्ट्स शूज या स्नीकर्स ही कैरी करें। स्पोर्ट्स वियर में लेयरिंग लुक भी खूब पसंद की जाती है। लेयरिंग लुक हुडीज, जैकेट्स आदि से मिलती है। लेयरिंग लुक स्पोर्ट्स वियर के साथ बेहतरीन और स्टाइलिश कॉम्बिनेशन बनाती है। जहां तक स्पोर्ट्स वियर के साथ एक्सेसरीज की बात है तो वाच, कैप या स्लिंग बैग जैसे हल्के एक्सेसरीज स्पोर्ट्स वियर को 'वॉव' लुक देते हैं। लेकिन ओवर ड्रेसिंग से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात

पूजा सामंत

कुछ समय पहले नेटफ्लिक्स पर 'ब्लैक वारंट' वेब सीरीज रिलीज हुई है। इसमें जेलर सुनील कुमार गुप्ता के लीड रोल में जहान कपूर नजर आ रहे हैं। बीते दौर के मशहूर अभिनेता शशि कपूर के ग्रैंडसन जहान ने इस वेब सीरीज से जुड़े एक्सपीरियंस और एक्टिंग करियर से जुड़े सवालों के जवाब दिए इस बातचीत में।

मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी: जहान कपूर

जहान कपूर ने विक्रमादित्य मोटवानी के प्रोडक्शन में बनी वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार बहुत ही मैच्योर तरीके से निभाया है। हाल में पृथ्वी थिएटर में जहान कपूर से बातचीत हुई। पेश है इसके प्रमुख अंश-

हालिया रिलीज वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में लीड एक्टर के तौर पर आपका सेलेक्शन कैसे हुआ?

'ब्लैक वारंट' की कास्टिंग मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबरा ने की थी, उसमें मैंने भी ऑडिशन दिया। ऑडिशन के 2-3 महीने बाद मुझे विक्रमादित्य मोटवानी के ऑफिस से कॉल आया। मैं उस वक्त मकरंद देशपांडे के निर्देशन में 'सियाचिन' नाटक में मुख्य भूमिका निभा रहा था। विक्रमादित्य सर के साथ काफी बातचीत और 2-3 मीटिंग्स के बाद मुझे जेलर सुनील कुमार गुप्ता के रोल के लिए सेलेक्ट कर लिया गया।

जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारी करनी पड़ी?

यह वेब सीरीज एक किताब 'ब्लैक वारंट: कंफेशन ऑफ ए तिहाड़ जेलर' पर आधारित है। इसे लिखा है खुद सुनील गुप्ता और सुनेत्रा चौधरी ने। मैंने सबसे पहले इस किताब को बारीकी से पढ़ा। मेरे रोल और लुक को लेकर काफी डिस्कशंस हुए। मूंछें पतली रखी जाएं या मोटी, बालों को कैसे रखा जाए, यूनिफॉर्म पहन कर कैसी चाल होगी, मेरा चलना शुरू में कैसे होगा, बाद में कैसे होगा? हर छोटी से छोटी बात पर ध्यान दिया गया। इस कहानी में मेरे किरदार के कई पहलू हैं। सुनील गुप्ता के मेंटल स्टेजेस को प्रेजेंट करना काफी मुश्किल था, किताब पढ़ने के बाद मुझे इसमें काफी हेल्प मिली। अब जब इस वेब सीरीज में मेरी एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है, तो बहुत अच्छा लग रहा है। इसका श्रेय मैं इस शो की पूरी टीम को दूंगा।

वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' के एक सीन में जहान कपूर

जेलर सुनील गुप्ता के किरदार से आप खुद को कितना रिलेट करते हैं?

यह सच है कि एक पारिवारिक संस्कारी युवक से सुनील कैसे गाली-गलौज करने वाले जेलर बन जाते हैं, कैसे कैदियों की फांसी देखते-देखते उनका दिल डेड जैसा हार्ड हो जाता है, इसे समझना बहुत मुश्किल था। जहां तक रियल लाइफ में सुनील कुमार गुप्ता के किरदार से रिलेट करने की बात है, तो मेरा फैमिली बैकग्राउंड उनसे पूरी तरह से अलग है। सिर्फ इतना कह सकता हूं कि सुनील की तरह ही मेरा स्वभाव भी सिंपल-सोबर है। मैं भी सुनील की तरह शांतिप्रिय और पॉजिटिव इंसान हूं।

क्या आपने अभिनय में आने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि कपूर परिवार के ज्यादातर लोग अभिनय से जुड़े रहे हैं?

यह सच है कि हमारे परिवार का लगभग हर दूसरा सदस्य एक्टिंग से जुड़ा है, लेकिन इसी वजह से मैंने भी यही राह पकड़ी ऐसा नहीं है। मेरी मां 'शोले' फेम निर्देशक रमेश सिप्पी की पुत्री शीना सिप्पी एक जानी-मानी फोटोग्राफर और पिताजी कुणाल कपूर एक्टर के साथ पृथ्वी थिएटर के एडमिनिस्ट्रेटर हैं। मुझे जब स्कूल में दाखिल किया गया तो सभी को अहसास हुआ कि मैं डिस्लेक्सिक हूं। मुझे पढ़ने में दिक्कत हो रही थी। मेरे मम्मी-पापा ने तुरंत इसका ट्रीटमेंट शुरू करवाया, तब जाकर मैं इससे बाहर निकला। इस वजह से मेरे करियर को लेकर बहुत ज्यादा प्लानिंग नहीं हुई। दसवीं क्लास के एग्जाम्स के बाद मैं पृथ्वी थिएटर से जुड़ गया। वहां बैक-स्टेज, सेट-डिजाइनिंग से लेकर प्रोडक्शन इंचार्ज तक, मुझे जो भी काम मिलता था, मैं कर लेता था। ग्रेजुएशन करने के दौरान ही मेरी मां ने मुझे एक एड एजेंसी में काम करने भेजा। मैंने इस एड एजेंसी में कॉपी राइटिंग, को-ऑर्डिनेशन से लेकर मॉडल शूट तक हर डिपार्टमेंट में काम सीखा। इन सबके बीच 'पृथ्वी थिएटर' के नाटकों में मेरा अभिनय भी चल रहा था। इसी तरह मुझे एक्टिंग से लगाव हुआ, और निर्देशक हंसल मेहता ने मुझे अपनी फिल्म 'फराज' में मौका दिया। इस तरह फिल्मों में बतौर एक्टर मैंने करियर बनाना डिसाइड कर लिया।

क्या कपूर परिवार का होने की वजह से आप प्रेशर भी फील करते हैं?

अभिनय की दुनिया में कपूर परिवार को सौ वर्ष हो चुके हैं। मैं शशि कपूर का पोता हूं। लोग आज कहते है मुझ में दादाजी (शशि कपूर) की छवि नजर आती है, यह सुनकर मुझे अच्छा लगता है, लेकिन उन्होंने जो महारत, जो मुकाम हासिल किया, क्या मैं वो क्या हासिल कर सकता हूं? पता नहीं! जाहिर-सी बात है मुझसे भी दर्शकों को कई उम्मीदें होंगी। मेरी तुलना लोग रणबीर, करीना, करिश्मा से भी करते होंगे। लेकिन इस सच्चाई को झुठलाया नहीं जा सकता कि इंसान को आगे बढ़ने के लिए टैलेंट के साथ किस्मत का साथ होना निहायत जरूरी होता है। और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हर किसी की किस्मत अलग ही होती है। हाथ की पांचों अंगुलियां एक समान होती हैं क्या? प्रतिभा है, पर मौके न मिलें तो प्रतिभा कैसे उजागर होगी? मैं कपूर खानदान से जुड़ा हुआ हूं, सिर्फ इसलिए घर पर बैठे-बैठे काम का इंतजार नहीं करता रहूंगा। मैं खुद कोशिशें करता रहूंगा। ऑडिशन देता रहूंगा। मुझे पूरा यकीन है कि मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी। *

घर में वे सिर्फ मेरे दादाजी थे...

अपने दादाजी (शशि कपूर) को जहान कैसे याद करते हैं, उनकी कौन सी फिल्में उन्हें पसंद हैं पूछने पर जहान बताते हैं, 'फिल्मी पर्दे पर तो वे शशि कपूर थे, द अल्टीमेट हैंडसम हीरो। लेकिन घर में मुझे प्यार करने वाले, वे सिर्फ मेरे दादाजी थे। मेरी अंगुली पकड़ कर मुझे आइसक्रीम खिलाने ले जाते थे। अकसर मुझे और मेरी सिस्टर शायरा को इंग्लिश फिल्म दिखाने ले जाते थे। बहुत सुनहरे दिन थे वो। जहां तक उनकी फेवरेट फिल्म की बात है तो दादाजी की हर फिल्म तो मैंने देखी नहीं, लेकिन 'दो और दो पांच', 'कलयुग', 'शर्मिली', 'दीवार', 'जूनून', 'आ गले लग जा' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं।'